RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः204, शुक्रवार, 1 अगस्त 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

तुलसीदास का लोकनायकतत्व एवं प्रेमचंद के कथा साहित्य पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन 03

बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय धेवडही की बदहाली 04

पुष्पा वाले राशि खन्ना पर लगाएंगे दांव, उस्ताद भगत सिंह में दिखेंगी पवन... 07

संक्षिप्त समाचार

बिंदालाल गुप्ता को न्याय के लिए धरना

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। कलक्ट्रेट में बुधवार को जन सुराज ने धरना-प्रदर्शन किया। नेताओं ने कहा कि कांटी के बिंदा लाल गुप्ता के आत्मदाह किए हुए एक वर्ष बीतने के बाद भी उनके परिवार को जमीन, पक्का मकान और आर्थिक मुआवजा नहीं दिया गया। प्रशांत किशोर बिहार के गरीबों को अधिकार दिलाने के लिए वचनबद्ध हैं। अगर जरूरत पड़ी तो डीएम से लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव किया जाएगा। एक महीने के भीतर बिंदालाल के परिवार को तीन डिसमिल जमीन, पक्का मकान और सरकारी नौकरी नहीं मिली तो सड़क से सदन तक आंदोलन होगा। इस मौके पर जन सुराज के जिला मीडिया प्रभारी अनय राज, जिला संगठन महासचिव सुदर्शन मिश्र, कांटी के प्रभारी गुड्डू शुक्ला, नगर अध्यक्ष रोहित ठाकुर, गौरव सिंह, रूपेश पांडे, पार्वती देवी, कंचन देवी, राजकुमार, ऑटो रिक्शा यूनियन संघ के जिलाध्यक्ष एआर अन्नू, सचिव इलू, चंदन ठाकुर, मुन्ना कुमार गुप्ता, किशोरी देवी, नागेंद्र कुमार, प्रमोद कुमार, सोनू ठाकुर, रंजन कुमार, दिवाकर सिंह, प्रदीप कुमार, कुमकुम देवी, मजहर आलम, मुन्ना कुमार, हरेंद्र पंडित थे।

मेयर ने कहा, सबसे ज्यादा काम किया

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। दिनभर की हलचल के बाद बुधवार शाम मेयर निर्मला साहू विरोधियों पर जमकर बरसीं। केदारनाथ रोड स्थित आवास पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि यह विकास नहीं बल्कि विरोध की राजनीति हो रही है। बोर्ड की पिछली बैठक में हंगामा कर रद्द करवाने की कोशिश की गई थी। कहा, आज तक इतना काम नहीं हुआ है, जितना मैंने किया है। 250 योजनाओं का क्रियान्वयन किया गया है। हर वार्ड में काम हो रहा है। 25-25 लाख के प्रोजेक्ट का टेंडर निकाला गया। कुछ में रिटेंडर हुआ है। मेरा काम योजना पास करना है। उसे करवाना नगर आयुक्त की जिम्मेवारी है। स्टैंडिंग के तीन सदस्यों के बगावत के सवाल पर कहा कि मुझे सूचना तक नहीं दी और धरना पर बैठ गए।

बालू घाटों को टुकड़ों में बांट कर नीलाम करें, राजस्व नुकसान के बाद डिप्टी सीएम का फरमान

पटना, एजेंसी। बिहार के अनिलामित और प्रत्यर्पित बालू घाटों की छोटे-छोटे भाग में बांटकर नीलामी होगी। बालू घाटों के खाली रहने से हो रहे राजस्व नुकसान को देखते हुए खान एवं भूतत्व विभाग ने नयी योजना तैयार की है। उप मुख्यमंत्री सह विभागीय मंत्री विजय सिन्हा ने इसको लेकर जिला खनन पदाधिकारियों को निर्देश दिया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि कई बंदोबस्तधारियों ने बालू घाटों की बंदोबस्ती लेने के बाद उसे सरेंडर (प्रत्यर्पित) कर दिया है। जमुई जिले के 45 में छह घाट सरेंडर कर दिए गये हैं। साथ ही औरंगाबाद के 61, जहानाबाद के 12, रोहतास-नालंदा के आठ-आठ, भोजपुर के छह घाट समेत कुल 147 बालू घाट की नीलामी विभिन्न कारणों से लंबित है। इसके बावजूद इन घाटों से अवैध खनन जारी है। उन्होंने कहा कि अगर इन घाटों की बड़े स्तर पर बंदोबस्ती संभव नहीं हो पा रही हो, तो इनके छोटे-छोटे भाग कर बंदोबस्ती की जा सकती है। उन्होंने अगले महीने में यह प्रक्रिया पूरी कर लेने के निर्देश दिये। उप मुख्यमंत्री ने प्रत्यर्पित बालू घाटों पर हो रहे खनन पर कड़ी नजर रखने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कई बंदोबस्त धारियों ने तीन-चार घाट की बंदोबस्ती ली, मगर उनमें से एक-दो सरेंडर कर दिया। ऐसे लोगों को नोटिस दिया जाना चाहिए कि जब वे दो घाट चलाने की स्थिति में नहीं है, तो बाकी घाट कैसे चलायेंगे।

मेयर ने कराई पार्षदों की परेड, मंत्री के फोन पर टूटा आमरण अनशन

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। नगर निगम में सियासी खींचतान बुधवार को दिनभर जारी रही। बीती रात से बेमियादी धरना पर बैठक आंदोलनकारी पार्षदों ने आमरण अनशन की घोषणा कर दी। इधर, मेयर ने अपने समर्थन में 22 पार्षदों की परेड करा दी। इन 22 पार्षदों में तीन वे पार्षद भी थे जो मंगलवार रात भर आंदोलनकारी पार्षदों के साथ बेमियादी धरना पर बैठे थे। दिनभर की खींचतान के बाद देर शाम नगर विकास एवं आवास मंत्री जीवेश कुमार का फोन आने के बाद आंदोलन मंद पड़ गया। मंत्री का फोन आने के बाद नगर आयुक्त विक्रम ने जूस पिलाकर पार्षदों का अनशन

एग्जाम देकर हॉस्टल से घर लौट रहे थे, खड़े ट्रक में जा घुसा ऑटो

लखीसराय में इंजीनियरिंग के 3 छात्रों की मौत:2 स्टूडेंट पटना रेफर

लखीसराय, एजेंसी। लखीसराय-जमुई बॉर्डर पर नोनगढ़ चेक पोस्ट के पास गुरुवार सुबह सड़क हादसे में इंजीनियरिंग के 3 छात्रों की मौत हो गई। हादसे में 2 छात्र गंभीर रूप से घायल हैं। सभी शिव सोहना इंजीनियरिंग कॉलेज में तीसरे सेमेस्टर के छात्र थे। बुधवार को परीक्षा खत्म होने के बाद गुरुवार सुबह सभी हॉस्टल से घर लौट रहे थे। छात्रों से भरा ऑटो सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। घटना की सूचना मिलते ही तेतरहाट और जमुई थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद ड्राइवर ऑटो लेकर फरार हो गया है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

एग्जाम के बाद घर लौट रहे थे सभी

पुलिस के अनुसार, सभी शिव सोहना इंजीनियरिंग कॉलेज में तीसरे सेमेस्टर के छात्र थे। बुधवार को परीक्षा खत्म होने के बाद गुरुवार सुबह सभी हॉस्टल से घर लौट रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार ऑटो ट्रक से जा टकराया। हादसे में समस्तीपुर निवासी पंकज कुमार, सरोज कुमार और नालंदा के चंडी निवासी साहिल कुमार की मौत हो गई। सभी की उम्र 19 से 22 साल के बीच बताई जा रही है। वहीं, सीवान निवासी अंकित गुप्ता और अजीत यादव गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दोनों को पटना रेफर किया गया है।

पोस्टमॉर्टम के लिए शव जमुई भेजे गए

सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण जमुई पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए जमुई अस्पताल भेज दिया है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है। वहीं, घटना की जानकारी मिलते ही शिवसोना इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल समेत कई लोग घटनास्थल पर पहुंचे। हादसे में साथियों की मौत के बाद छात्रों में गुस्सा है।

घायल छात्र पटना रेफर

जमुई ट्रैफिक इंस्पेक्टर सह थाना अध्यक्ष आर एन अकेला ने बताया, मंझवे चेक पोस्ट से आगे एक ऑटो ट्रक से टकरा गया था। इसमें 3 इंजीनियरिंग छात्रों की मौत हुई है। 2 छात्र घायल हैं। जिसमें एक छात्र को पटना रेफर किया गया है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल जमुई लाया गया। परिजनों की सूचित किया गया है। आगे की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

6 छात्र हॉस्टल से घर के लिए निकले थे

शिव सोहना इंजीनियरिंग कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ विमलेश कुमार ने बताया, कल यानी बुधवार को थर्ड सेमेस्टर का एग्जाम खत्म होने के बाद 6 छात्र घर जाने के लिए निकले थे। लखीसराय रेलवे स्टेशन से सवा 6 बजे उनकी ट्रेन थी, इसलिए ऑटो से स्टेशन जा रहे थे। इसी बीच ऑटो खड़े ट्रक से टकरा गया। हादसे में एक स्टूडेंट को मामूली चोट आई है, उसका एक हाथ फैक्चर हुआ है। उसी ने हमें फोन कर हादसे की जानकारी दी। सीवान के छात्र अंकित गुप्ता की हालत गंभीर है, उसे पटना रेफर किया गया है। 3 छात्रों की मौत हो गई है। हमने परिजनों को सूचना दी है।

पूर्णिया में मेडिकल दुकान संचालक को मारी गोली

लूट का विरोध करने पर अपराधियों ने दागी बुलेट, भतीजे के साथ गांव जा रहे थे

पूर्णिया, एजेंसी। पूर्णिया में अपराधियों ने लूटपाट के दौरान मेडिकल दुकान संचालक को गोली मार दी। हथियारबंद 6 अपराधियों ने वारदात को अंजाम दिया है। गोलीबारी के बाद हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गए। घटना कसबा थाना क्षेत्र के खगजना गांव के पास की है। स्थानीय लोगों ने पूर्णिया जीएमसीएच में एडमिट कराया। युवक की नाजुक हालत को देखते हुए उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। घायल की पहचान अमौर के बड़ा ईदगाह हक्का निवासी जावेद आलम(48) के तौर पर हुई है। पत्नी सरकारी शिक्षक हैं। जावेद पेशे से मेडिकल प्रैक्टिसनर और मेडिकल शॉप संचालक हैं।

बदमाशों ने घेरकर मारा

घायल के बहनोई मोहम्मद अशरफ ने बताया जावेद अपने भतीजे के साथ पूर्णिया स्थित घर से बाइक लेकर हक्का गांव जा रहे थे। गांधीनगर धर्म कांटा के पास हथियार से लैस 6 बदमाशों ने घेर लिया। जब तक कुछ समझ पाते उससे पहले कमर से पिस्टल निकालकर तान दिया। बाइक की चाभी, मोबाइल और कैश निकालकर देने को कहा। जावेद ने डटकर सामना किया। विरोध करने पर गुस्से में बदमाशों ने गोली सीधे गले में मार दी। फायरिंग के बाद भतीजे ने किसी तरह भागकर जान बचाई। जबकि वारदात के बाद बदमाश आसानी से हथियार लहराते हुए भाग निकले।

ग्रामीणों ने पहुंचाया अस्पताल

मोहम्मद अशरफ ने आगे कहा, बदमाशों के जाते ही भतीजा वहां पहुंचा। फायरिंग की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटे।

फिर आनन-फानन में जावेद को कसबा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां गंभीर स्थिति को देखते हुए डॉक्टर ने उसे बेहतर इलाज के लिए पूर्णिया जीएमसीएच रेफर कर दिया। यहां से डॉक्टरों ने उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है।

जांच में जुटी पुलिस

वहीं, कसबा थानाध्यक्ष ज्ञान रंजन ने बताया कि बदमाशों ने लूटपाट के दौरान एक व्यक्ति को गोली मार दी है। बयान के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। घायल से पूछताछ की जा रही है।

रामदयालु को जाम से मिलेगी मुक्ति, मधुरपट्टी की दशकों की पीड़ा मिटेगी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार प्रगति यात्रा के दौरा किए गए अपने विकास कार्यों की आधारशिला रखने गुरुवार को मुजफ्फरप आ रहे हैं। इस दौरान वे रामदयालुनगर में बननेवाले रेल ओवरब्रिज सहि सड़कों के चौड़ीकरण, उच्च स्तरीय आरसीसी पुल सहित कई अन योजनाओं का शिलान्यास करेंगे। जिला प्रशासन से मिली जानकारी अनुसार मुख्यमंत्री दस बजे शहर के भगवानपुर चौक के पास बनाए ग शिलान्यास स्थल पर पहुंचेंगे। यहां से वे 574.16 करोड़ रुपये की लाग वाली कुल सात योजनाओं का ऑनलाइन शिलान्यास करेंगे।

मिली जानकारी के अनुसार सीएम नीतीश कुमार रामदयालुनगर को जा से मुक्ति दिलानेवाले आरओबी के निर्माण कार्य के अलावा रामदयालुनगर चांदनी चौक और चांदनी चौक-बखरी सड़क के चौड़ीकरण कार्य व शिलान्यास करेंगे। इनका निर्माण कार्य पूरा होने के साथ शहर को जाम से पू तरह से मुक्ति मिल जाएगी। इसके अलावा शहर के भीतरी इलाकों के जा की समस्या को दूर करने के लिए चंदवारा ब्रिज के एप्रोच पथ के निर्माण का की भी आधारशिला रखेंगे। इसका निर्माण पूरा होने के साथ शहर के अखाड़ घाट पुल पर दबाव कम हो जाएगा। साथ ही शहर के अंदरूनी और पू इलाकों के लोगों को चंदवारा पुल होते हुए दरभंगा फोरलेन (एनएच 57) जुड़ने में आसानी हो जाएगी। इससे शहर के मध्य और पश्चिमी इलाके यातायात का भार कम होगा।

मधुरपट्टी में गई थी 11 बच्चों की जानः

मुख्यमंत्री गायघाट प्रखंड के मधुरपट्टी में उच्च स्तरीय आरसीसी पुल निर्माण कार्य की शुरुआत के लिए आधारशिला रखेंगे। इस पुल के बन जा से बाढ़ के दिनों में अब लोग नाव की जगह अपने वाहन से दरभंगा के लि एनएच 57 और समस्तीपुर के लिए आसानी से सालों भर आवागमन क सकेंगे। यह वहीं जगह हैं जहां दो साल पहले नाव से नदी पार कर स्कूल रहे 11 बच्चों की मौत नाव पलटने से हो गई थी। इसके अलावा सीए शिवहर-मीनापुर-कांटी पथ के चौड़ीकरण और मजबूतीकरण के कार्य व शिलान्यास करेंगे।

जवाहर नवोदय विद्यालय में आवेदन प्रक्रिया जारी

दरभंगा, एजेंसी। दरभंगा जिले के केवटी प्रखंड स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय पचाढ़ी में सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6, 9 और 11 में नामांकन के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। प्राचार्य विजय कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए कक्षा 6 की प्रवेश परीक्षा 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर अब 13 अगस्त कर दी गई है। इसके साथ ही कक्षा 9 और कक्षा 11 में प्रवेश के लिए भी ऑनलाइन आवेदन की प्रक्रिया 26 जुलाई से शुरू हो चुकी है, जो 23 सितंबर 2025 तक चलेगी। केवल दरभंगा जिले के मूल निवासी छात्र-छात्राएं ही आवेदन करने के पात्र होंगे।

ऑनलाइन आवेदन भी कर सकते

कक्षा 9 में नामांकन के लिए विद्यार्थी का 01 मई 2011 से 31 जुलाई 2013 के बीच जन्म होना चाहिए। वह सत्र 2025-26 में कक्षा 8 में किसी सरकारी या मान्यता प्राप्त विद्यालय में पढ़ रहा हो। कक्षा 11 में नामांकन के लिए विद्यार्थी का जन्म 01 जून 2009 से 31 जुलाई 2011 के बीच होना चाहिए। सत्र 2025-26 में कक्षा 10 में पढ़ रहा हो।

बेगूसराय में एबीवीपी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष की श्रद्धांजलि सभा

रामकुमार सिंह के योगदान पर की चर्चा, जीडी कॉलेज में प्रतिमा लगाने की मांग

बेगूसराय, एजेंसी। एबीवीपी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष और जीडी कॉलेज के सेवानिवृत प्राचार्य डॉ. रामकुमार सिंह के निधन पर एबीवीपी की ओर से बुधवार को श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। जिसमें बिहार सरकार के राजस्व मंत्री-सह-जिला प्रभारी मंत्री संजय सरावगी, पूर्व क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवनारायण महतो और उत्तर बिहार के क्षेत्रीय संगठन मंत्री राकेश मौर्या सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। एबीवीपी के पूर्व क्षेत्रीय संगठन मंत्री शिवनारायण महतो ने कहा कि जिस प्रकार एक शिक्षक होते हुए यशवंत राव केलकर ने एबीवीपी को स्थापित करने के लिए काम किया था। ठीक उसी प्रकार बेगूसराय के रामकुमार बाबू यशवंत राव केलकर थे। जमींदार परिवार के होते हुए

एबीवीपी के लिए कार्यकर्ता की तरह काम किया था। यही वजह है कि एबीवीपी के हर एक कार्यकर्ता के लिए रामकुमार सिंह अभिभावक, मित्र और शुभचिंतक की तरह थे। श्रद्धांजलि सभा में पुरातन कार्यकर्ता सत्यदेव ने एबीवीपी को जिले में खड़ा करने में रामकुमार सिंह के योगदान को विस्तार से रखा।

मौन धारण के साथ कार्यक्रम संपन्न : वक्ताओं ने प्रभारी मंत्री से इसके लिए सरकार से एनओसी लेने के लिए पहल करने की मांग की है। अगले वर्ष रामकुमार सिंह की श्रद्धांजलि सभा एबीवी की ओर से खुद के कार्यालय मनाने के संकल्प और मौन धारण साथ कार्यक्रम संपन्न हुअ श्रद्धांजलि सभा का संचाल एबीवीपी के प्रदेश मंत्री पुरुषोत्त कुमार और धन्यवाद ज्ञापन शिल्प गौतम ने किया। सभा को जी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. चंद्रभूष प्रसाद सिंह, एसबीएसएस कॉले के प्राचार्य डॉ. अवधेश कुमार सिं आरसीएस कॉलेज मंझौल प्राचार्य डॉ. कमलेश कुमार, कांतिमोहन सिंह, मधुबनी कॉले के प्राचार्य डॉ. राम अवधेश कुमा आरएसएस के जिला संघ संचाल मनोरंजन वर्मा, प्रो. अंजनी कुमा डॉ. शशिकांत पांडेय और प्र अशोक कुमार सिंह ने भी संबोधि किया।

बिहार में 15 दिनों तक पुलिस चलाएगी ऑपरेशन नया सवेरा

डीजीपी बोले- मानव तस्करी में कुछ साल में 7 हजार बच्चे लापता, 3 हजार का नहीं चल पाया पता

पटना, एजेंसी। मानव तस्करी के बढ़ते वीकर सेक्शन की तरफ से एक कार्यक्रम का रूप से कहा कि नारकोटिक्स के बाद मान

संक्षिप्त समाचार

पटना मेट्रों शुभारंभ की बढ़ी तिथि, अब 15 अगस्त की जगह पर 23 अगस्त को शुरू होने की संभावना

पटना। बिहार की राजधानी पटना के लोगों को मेट्रों सेवा का लाभ उठाने के लिए अब और थोड़ा इंतजार करना पड़ेगा,क्योंकि बहुप्रतीक्षित मेट्रो रेल सेवा के शुभारंभ की तिथि अब आगे बढ़ गयी है। अब 15 अगस्त की जगह पर 23 अगस्त को इसके शुभारंभ होने की संभावना जताई जा रही है। शुरुआती चरण में मेट्रो सेवा पांच की जगह तीन स्टेशनों से ही शुरू होगी, क्योंकि तकनीकी और परिचालन तैयारियों को अंतिम रूप देने में अतिरिक्त समय लग रहा है। बैरिया मेट्रो स्टेशन से रामचक बैरिया डिपो तक 6.49 किमी के प्राथमिक कॉरिडोर पर ट्रायल रन सफल रहा है। नगर विकास मंत्री जीवेश मिश्रा ने गुरुवार को बताया कि अब तक 15 अगस्त को उद्घाटन की तैयारी की बात चल रही थी, लेकिन 23 अगस्त पर भी विचार किया जा रहा है। अंतिम फैसला मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समय-सुविधा के आधार पर लिया जाएगा। पटना मेट्रो के पहले फेज में कुल पांच स्टेशन बनाए जा रहे हैं, जिसके अंतर्गत न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, जीरो माइल, भूतनाथ, खेमनीचक और मलाही पकड़ी शामिल है लेकिन, शुरुआत में मेट्रो सेवा न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, जीरो माइल, भूतनाथ के बीच शुरू होगी. जबकि खेमनीचक और मलाही पकड़ी पर अभी काम अंतिम चरण में है। जीवेश मिश्रा ने बताया कि यह प्रोजेक्ट चरणबद्ध तरीके से पूरा होगा, यानी जैसे-जैसे नए स्टेशन तैयार होंगे, वैसे-वैसे मेट्रो सेवा चालू कर दी जाएगी। जीवेश मिश्रा ने यह भी स्पष्ट किया कि शुरूआती कॉरिडोर पर पटना मेट्रो का संचालन शुरू किया जायेगा, जिसकी लंबाई करीब 32 किलोमीटर है। पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएमआरसीएल) के अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती प्रायोरिटी कॉरिडोर के संचालन की दिशा में तैयारी जोरों पर है। इस कॉरिडोर की कुल लंबाई लगभग 32 किलोमीटर है, लेकिन पहले चरण में न्यू पाटलिपुत्र बस टर्मिनल, जीरो माइल और भूतनाथ स्टेशन के बीच मेट्रो सेवा शुरू की जाएगी। महाराष्ट्र के पुणे से आया हुआ पहला मेट्रो रैक 20 जुलाई को पटना पहुंच चुका है और इस पर ट्रायल रन भी जारी है। हालांकि, लगातार हो रही बारिश के कारण ट्रायल प्रभावित हो रहा है, फिर भी तकनीकी टीमें सुबह-शाम मेट्रो को बैटरी से चलने वाले छोटे इंजन की मदद से दौड़ा रही हैं। जल्द ही इसे विद्युत लाइन से जोड़कर असली ट्रायल रन शुरू किया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसलिए हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है ताकि उद्घाटन के साथ कोई तकनीकी या परिचालन संकट सामने न आए।

बेटे ने की लव मैरिज, शर्मिंदगी में सिपाही ने जान दी, बेटे को शादी करने से मना कर रहा था

पटना। पटना पुलिस लाइन में बुधवार की देर रात सिपाही अशोक कुमार सिंह (50) ने सुसाइड कर लिया। परिजनों ने उन्हें कमरे में फंदे से लटका देखा तो अफरा-तफरी मच गई। परिजनों की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग जुटे और तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। घटनास्थल पर बुद्धा कॉलोनी थाना पुलिस, कोतवाली DSP (लॉ एंड ऑर्डर) कृष्ण मुरारी प्रसाद और FSL टीम मौके पर पहुंची। शव को फंदे से उतारकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया गया है। मामले की छानबीन शुरू है। प्रारंभिक जांच और परिजनों के बयान के आधार पर आत्महत्या की वजह पारिवारिक कलह बताई जा रही है। मृतक के बड़े बेटे अजीत कुमार सिंह ने बताया कि छोटे बेटे रंजीत कुमार के प्रेम विवाह को लेकर पिता नाराज चल रहे थे। वहीं दो दिन पहले मां भी नाराज होकर

मायके चली गई थी, जिससे वो मानसिक रूप से काफी परेशान रहने लगे थे। अशोक कुमार सिंह वर्ष 2004 से पटना पुलिस लाइन में ड्राइवर के पद पर थे और अपने परिवार के साथ पटना में रह रहे थे। DSP कृष्ण मुरारी प्रसाद ने बताया कि 'शुरुआती जांच में मामला आत्महत्या की ही लग रहा है। पुलिस सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। घटनास्थल से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पंखे से फंदा लगाकर उन्होंने आत्महत्या की है।' 'फरवरी 2024 में बड़े अजीत की शादी हुई थी। मई 2025 में छोटे बेटे रंजीत ने प्रेम विवाह किया था, जिससे वो नाराज चल रहे थे। एक बेटी की 2024 में बीमारी से उसकी मौत हो गई। FSL की टीम जांच में जुटी है। आगे की कार्रवाई की जा रही है।'

वैभव ऑस्ट्रेलिया में दिखाएंगे बल्ले का कमाल

पटना। बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी अब ऑस्ट्रेलिया में अपने बल्ले का जादू बिखेरते नजर आएंगे। दरअसल, 14 साल के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का चयन ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए इंडिया अंडर-19 टीम में हुआ है। भारत और ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के बीच 21 सितंबर से शुरू होने वाली इस सीरीज में 3 वनडे और 2 टेस्ट मैच खेले जाएंगे। इससे पहले इंग्लैंड दौरे पर भी वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया था। इंग्लैंड में उन्होंने 5 वनडे मैचों में 355 रन बनाए, जिसमें एक शतक शामिल था। वैभव ने 52 गेंदों में शतक बनाकर रिकॉर्ड भी अपने नाम किया था। इंडिया अंडर 19 बनाम ऑस्ट्रेलिया अंडर 19 टीम के बीच पहला वनडे मैच रविवार (21 सितंबर) को खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा वनडे बुधवार (24 सितंबर) को होगा जबकि तीसरा वनडे मैच 26 सितंबर को खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमें 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में टकराएंगी। सीरीज का पहला चार दिन टेस्ट मैच 30 सितंबर से 3 अक्टूबर तक खेला जाएगा। जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट मैच 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक खेला जाएगा। तीनों वनडे नॉर्थेम्प्टनशॉयर में खेला जाएगा जबकि पहला टेस्ट भी इसी वेन्यू पर खेला जाएगा वहीं दूसरा टेस्ट मैक्के में आयोजित होगा। अंडर-19 इंडिया और इंग्लैंड के बीच चल रहे पांच वनडे मुकाबले में वैभव ने शानदार प्रदर्शन किया था। चौथे मैच में वैभव ने शानदार शतक लगाया था। वैभव यूथ वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। उन्होंने 52 गेंदों पर शतक बनाया और अर्धशतक सिर्फ 24 गेंदों पर पूरा किया था। उन्होंने पाकिस्तान के कामरान गुलाम का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 53 गेंद पर शतक बनाया था। वैभव सूर्यवंशी अंडर-19 वनडे मैच में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं।

मोहम्मद रफी साहब की पुण्यतिथि व प्रेमचंद जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन

मोतिहारी। सदर प्रखंड के बसतपुर स्थित मदर वैली पब्लिक स्कूल के तत्वावधान में गुरुवार को कलम के सिपाही मुंशी प्रेमचंद का जन्मदिन व स्वनामधन्य पार्श्वगायक मो० रफी की पुण्यतिथि पर भाषण व गायन प्रतियोगिता का आयोजन बच्चों के बीच किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन विद्यालय के निदेशक प्रो० एम ठाकुर ने दोनों विभूतियों की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर किया। कार्यक्रम का संचालन कर रहे विद्यालय के प्राचार्य अंजनी अशेष ने कहा कि कलम के सिपाही मुंशी प्रेमचंद साहित्य जगत के देदीप्यमान नक्षत्र थे। उन्होंने किसानों, कामगारों और नारी त्रासदी का जीवंत चित्रण अपनी कहानियों तथा उपन्यासों के माध्यम से किया। वहीं शहंशाह-ए-तरन्नुम मोहम्मद रफी ने हर मूड के गीतों को गाकर पार्श्वगायन में अपनी अव्वल पहचान बनाई। मौके पर शिक्षकों और बच्चों ने प्रेमचंद की जीवनी पर प्रकाश डाला, बच्चों ने रफी के गीतों को गाकर खूब तालियां बटोरीं। प्राचार्य श्री अशेष व उप प्राचार्य राजेश सिंह ने रफी के गीतों को गाकर खूब वाहवाही लूटी। मौके पर स्वयंवर कुमार सिंह, प्रशांत पाठक, प्रवीण पाठक, अपराजिता कुमारी, ऋतुराज, संगीता कुमारी, श्यामा कुमारी, विवेक सिंह, प्रिया कुमारी, सोनी कुमारी, जैकब, संध्या कुमारी आदि मौजूद थे।

पटना में पोस्टरों की भरमार डीएम ने हटाने का दिया आदेश

एजेंसी, पटना

- दिनभर का 500 रुपए ले रहे मजदूर, एक पोस्टर हटाने में आधा घंटे से भी ज्यादा का वक्त

चुनाव की तैयारियों के बीच पटना में दीवारों और सड़कों पर राजनीतिक पार्टियों के पोस्टरों की भरमार देखने को मिल रही है। जदयू, राजद, भाजपा और जन सुराज जैसे प्रमुख दलों के डिजिटल वॉल पेंटिंग, बैनर और पोस्टर लगाए गए हैं। हालात ऐसी बन गई है कि शहर में सफर करने वाले लोग जहां भी नजर घुमाते उन्हें सिर्फ मोदी, नीतीश, तेजस्वी और प्रशांत किशोर के ही पोस्टर दिखते हैं। वहीं अब पटना DM त्याग राजन ने सभी पोस्टरों को हटाने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसके बाद सभी पोस्टर को हटाने का काम तेजी से किया जा रहा है। नगर निगम की टीम को इस काम में लगाया गया है, जो लगातार अलग-अलग इलाकों में पोस्टर हटा रहे हैं। बेली रोड से पोस्टर हटा रहे ज्ञान चंद ने बताया कि पोस्टर हटाने का ऊपर से आदेश जारी किया गया है। खुद SDM साहब ने कहा है कि पटना के सभी दीवारों पर लगे पोस्टर को जल्द हटाना है।

एक पोस्टर हटाने में आधा घंटे से भी ज्यादा वक्तः पोस्टर हटाने वाले मिट्ठू कुमार ने बताया कि 1 दिन का हमें 500 रुपया दिया जाता है। एक दिन में हम करीब 10 पोस्टर हटाते हैं। इसको हटाना काफी मुश्किल होता है। किसी पोस्टर को हटाने में आसानी होती है तो मात्र 5 मिनट में हट जाता है, लेकिन कुछ पोस्टेरों को हटाने में आधे घंटे से भी ज्यादा का वक्त लग जाता है। अभी मुझे ललित भवन का पोस्टर हटाने का निर्देश दिया गया हैं।

एक पोस्टर लगाने में 250-300 रुपए तक का खर्चः पोस्टर, पटना के सभी चौक चौराहा, अंडरपास और दीवारों पर देखने को मिल रहे हैं। सभी पार्टी अपने-अपने स्लोगन के साथ पोस्टर लगाए हैं। वहीं जन सुराज द्वारा कई जगहों पर राजद और जदयू के पोस्टरों के ऊपर अपने पोस्टर चिपका दिए गए थे। बता दें कि एक पोस्टर को लगाने में 250 से 300 रुपए तक के खर्च आते हैं।

महिला से अवैध संबंध में युवक की हत्या

एजेंसी, पटना

पटना के दानापुर में आरोपी गिरफ्तार, महिला का परिवार विरोध करता था नहीं मानने पर मर्डर

दानापुर के शाहपुर थाना क्षेत्र के हथियाकांध सराय में 20 वर्षीय शिवम कुमार उर्फ बंटी हत्याकांड का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। मामले में पुलिस ने दानापुर थाना क्षेत्र के पंचशील नगर से आरोपी सुधीर सिंह को गिरफ्तार किया है। पटना सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि शिवम की हत्या एक महिला से अवैध संबंध के कारण की गई थी।

17 जुलाई को हुई थी हत्याः उन्होंने बताया कि शाहपुर थाना अंतर्गत 17 जुलाई को शिवम की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई थी। इस मामले में शाहपुर थाना में कांड संख्या 300/25 दर्ज की गई थी। शाहपुर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में गठित टीम ने इस मामले का सफल उद्भेदन किया है। जांच में पता चला कि मृतक शिवम का आरोपी के परिवार की किसी महिला के साथ अवैध संबंध था। आरोपी पक्ष लगातार इसका विरोध कर रहे थे। इसके बाद आरोपी पक्ष ने शिवम की हत्या की साजिश रची। मामले में रौशन उर्फ फाइटर, धनंजय सिंह, मुकेश सिंह, राहुल कुमार और सुधीर कुमार ने मिलकर इस हत्याकांड को अंजाम दिया।

गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी हैः गिरफ्तार आरोपी सुधीर सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पहले भी मनेर थाना से आर्म्स एक्ट मामले में न्यायिक हिरासत में जेल जा चुका है। मामले में फरार अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। गिरफ्तार आरोपी सुधीर को पूछताछ के बाद न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

बीच रोड पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी में लगी आग

एजेंसी, पटना

- ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान, बुझाने पहुंची दमकल की गाड़ी जाम में फंसी, 20 मिनट में पाया काबू

पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र के इनकम टैक्स चौराहे पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी में आग लग गई। हादसे के वक्त गाड़ी में सिर्फ ड्राइवर था। आग लगने के बाद वह कूद गया। गाड़ी में कुछ सामान था, उसे भी निकालने का प्रयास किया, लेकिन नहीं निकाल पाया। हालांकि किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

जाम में फंसी फायर ब्रिगेड की गाड़ीः आग लगने के बाद चेक पोस्ट के कर्मियों ने फायर ब्रिगेड और कोतवाली थाने को सूचना दी। इसके बाद लोदीपुर से अग्निशमन की गाड़ियां निकलीं तो सबसे पहले कोतवाली चेक पोस्ट पर फंसी। वहां से आगे बढ़ी तो कोतवाली टी प्वाइंट से इनकम टैक्स के बीच में फंस गईं। वहां से अग्निशमन की गाड़ियां जैसे तैसे रॉन्ग साइड से घटनास्थल तक पहुंचीं। तब तक काफी देर हो गई। गाड़ी पूरी तरह से जलकर खाक हो गई है। आग बुझाने में तकरीबन 20 मिनट का समय लग गया।

शॉर्ट सर्किट से लगी आगः ड्राइवर ने बताया कि शॉर्ट सर्किट से आग लगी। मैं गाड़ी में समान लेकर जा रहा था। इसी दौरान आगे से आग पकड़ ली। लपटें तेज होने के चलते कूदना पड़ा। जितना पीछे सामान था। उसे निकाल लिया। बाकी नहीं निकल पाया।

दुकान से सिगरेट चोरी कर पी, सारा संपत्ति लेकर फरार, बाढ़ के एक गांव में 3 जगह हुई चोरी

एजेंसी, पटना

- घरों से सोने-चांदी के गहने, कैश लेकर भागे चोर

पटना के बाढ़ अनुमंडल के अथमलगोला थाना क्षेत्र के दक्षिणी चक गांव में बीती रात तीन घरों और दुकानों से लाखों रुपए की चोरी हुई। चोरों ने घरों से लगभग पचास मीटर दूर खेत में सामान की जांच की। उन्होंने सिर्फ गहने और नकदी चुराई और बाकी सामान वहीं छोड़ दिया। बबलू कुमार ने बताया कि सुबह 5 बजे उन्होंने घर का दरवाजा खुला और दुकान में सामान बिखरा हुआ पाया। उनकी दुकान से 96,500 रुपए नकद और सिगरेट, बिस्किट जैसे सामान चोरी हुए। घर के अंदर से सोने के हसूली, चैन, बाला समेत अन्य गहने चोरी हुए। कुल मिलाकर लगभग तीन लाख रुपए की चोरी हुई है। चोरों ने दुकान से सिगरेट चोरी कर पी और सारी संपत्ति लेकर भाग गए। प्रतिमा देवी के अनुसार, वह किसी काम से बाढ़ गई थीं। उनके घर में एक वृद्ध महिला और एक बच्चा सो रहे थे। रात करीब 2 बजे जब वृद्ध महिला जागी, तो उसने घर का सामान बिखरा हुआ पाया। चोरों ने दो बक्से लेकर खेत में खोले। सुबह खोजबीन करने पर वहीं से बक्से और उनमें रखा सामान बिखरा मिला।

5 भर सोने के गहने की हुई चोरीः प्रतिमा के घर से पचास हजार रुपए नकद, दो सिकरी, पांच जितिया, दो लॉकेट, एक मंगलसूत्र, दो चांदी की चूड़ी, एक पायल और अन्य गहने चोरी हुए। कुल मिलाकर लगभग 5 भर सोने के गहने चोरी हुए हैं। प्रतिमा ने थाने को चोरी की सूचना दी, लेकिन उन्हें बताया गया कि आवेदन देने के बाद ही पुलिस जांच करेगी।चोरों ने एक घर की दुकान से सिगरेट चुराकर खेत में पी भी, जहां बक्से बिखरे पड़े थे। तीनों घरों में लोग सो रहे थे जब चोरी हुई। अभी तक पुलिस घटनास्थल पर नहीं पहुंची है।

एक घर से तीन भर सोने के गहने, 30 भर चांदी और कैश चोरीः इंदु देवी ने बताया कि वह 12:00 बजे तक जगी हुई थी, फिर 3:00 बजे रात्रि में वह सोकर जगी तो देखा कि घर में दो मोबाइल फोन का टॉर्च जलाकर रखा हुआ था। उन्हें लगा की बहू और बेटे में हुई विवाद के कारण बेटा छत पर सोया हुआ है और मोबाइल नीचे छोड़ दिया है, लेकिन उतने में ही गोदरेज के बिखरे हुए सामानों पर नजर पड़ी। उन्होंने घर के अन्य सामानों की खोजबीन की घर के छत पर गहने का पर्स फेंका हुआ था फिर सुबह में 5:00 बजे घर से लगभग 50 मीटर दूर खेत में अटैची फेंका हुआ मिला। जिसमें रोल गोल का हार रखा था जिसे चोरों ने नहीं चुराया। उनके घर से लगभग तीन भर सोने के गहने 30 भर चांदी और दस हजार रुपए नगद की चोरी हुई है। रात में उन्होंने चोरी होने पर हल्ला किया जिससे ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। इसके बाद उन्हें जानकारी मिली कि दूसरे घर में भी चोरी हुई है, जिसका मोबाइल उनके घर में चोरों ने छोड़ दिया था।

आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्टफोन के लिए मिलेंगे 11 हजार रुपए, डिजिटल काम को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, पटना

- 7 दिनों के अंदर खरीदना होगा स्मार्टफोन

बिहार सरकार ने आंगनबाड़ी सेविकाओं को बड़ी सौगात दी है। सरकार ने स्मार्टफोन खरीदने के लिए 11,000 रुपए की आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है। यह सहायता राशि सीधे उनके बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। यह राशि वित्त विभाग द्वारा समाज कल्याण विभाग को आवंटित की गई है। पहले योजना के तहत सेविकाओं को नया मोबाइल फोन देने की बात हो रही थी, लेकिन अब सरकार सीधे रकम उपलब्ध कराएगी ताकि वो अपनी आवश्यकता के अनुसार फोन खरीद सकें। इसका उद्देश्य सेविकाओं को डिजिटल काम के लिए सशक्त बनाना और पोषण से जुड़ी योजनाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

7 दिनों के अंदर खरीदना होगा स्मार्टफोनः सरकार ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राशि प्राप्त करने के 7 दिनों के भीतर सेविकाओं को स्मार्टफोन खरीदकर उसकी रिपोर्ट जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (DPO) को सौंपनी होगी। जिला स्तर पर इस प्रक्रिया की रिपोर्ट ICDS निदेशालय को भेजी जाएगी ताकि प्रक्रिया में कोई देरी न हो।

डिजिटल काम के लिए स्मार्टफोन जरूरीः आंगनबाड़ी सेविकाओं की जिम्मेदारियां अब पूरी तरह डिजिटल हो गई हैं। हाजिरी, बच्चों की पोषण स्थिति, और लाभार्थियों की पहचान जैसे कार्य पोषण ट्रैकर पोर्टल के माध्यम से पूरे किए जा रहे हैं। अब सेविकाओं को फेस कैप्चरिंग तकनीक के तहत मोबाइल से लाभार्थियों की तस्वीरें अपलोड करनी होती हैं, जो योजनाओं का लाभ पाने के लिए अनिवार्य हो गया है। फिलहाल करीब 80 से 90 प्रतिशत आंगनबाड़ी सेविकाओं के पास स्मार्टफोन नहीं हैं, जिससे डिजिटल डेटा अपडेट करने में कठिनाई हो रही थी। इस स्थिति को देखते हुए सरकार ने यह निर्णय लिया है कि वो फोन देने के बजाय पैसा ट्रांसफर करेगी, ताकि सेविकाएं अपनी सुविधा अनुसार मोबाइल खरीद सकें।

गुणवत्ता और निगरानी में आएगा सुधारः स्मार्टफोन मिलने से सेविकाएं समय पर पोषण ट्रैकर पर डेटा अपलोड कर सकेंगी और बच्चों, गर्भवती महिलाओं की जानकारी का रिकॉर्ड बना रहेगा। इससे कार्यक्षमता की निगरानी और मूल्यांकन भी प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। साथ ही, मोबाइल न होने के कारण काम में देरी या टालने पर भी लगाम लगेगी।

फेस कैप्चरिंग में आएगी तेजीः ICDS की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य के कई जिलों में अभी भी लाभार्थियों की फेस कैप्चरिंग 50 प्रतिशत से कम है। वहीं पटना जिले में केवल 60 प्रतिशत लाभार्थियों की तस्वीरें ही अब तक अपलोड हो पाई हैं। स्मार्टफोन उपलब्ध होने से यह प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है।

डिजिटल क्रांति से पोषण सेवाओं में होगा सुधारः यह योजना न केवल सेविकाओं के कार्य में सहायक होगी, बल्कि राज्य की पोषण और बाल विकास योजनाओं में डिजिटल पारदर्शिता और जवाबदेही को भी बढ़ाएगी। इससे महिलाओं और बच्चों को समय पर और प्रभावी सेवाएं मिलेंगी और बिहार के पोषण मिशन को नई दिशा मिलेगी।

द प्लुरल्स पार्टी बिहार की सभी 243 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

बीएनएम@ पटना।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर द प्लुरल्स पार्टी ने बड़ा ऐलान किया है। पार्टी अध्यक्ष पुष्पम प्रिया चौधरी के नेतृत्व में पार्टी राज्य की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। सभी प्रत्याशी सीटी चुनाव चिन्ह पर मैदान में उतरेंगे। पार्टी की ओर से बताया गया है कि वर्ष 2020 की भांति इस बार भी प्रत्याशियों का चयन एक कठिन और पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। उम्मीदवार बनने के इच्छुक व्यक्तियों को फॉर्म भरने के साथ-साथ गहन साक्षात्कार से गुजरना होगा। पार्टी ने स्पष्ट किया है कि केवल उन्हीं उम्मीदवारों को मौका दिया जाएगा जो शिक्षित हों, जिनका आपराधिक रिकॉर्ड न हो और जो विकसित बिहार के निर्माण के उद्देश्य से चुनाव लड़ना चाहें। उम्मीदवारी फॉर्म द प्लुरल्स पार्टी कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। केवल भौतिक रूप से जमा किए गए आवेदन ही मान्य होंगे, हालांकि इच्छुक व्यक्ति अपनी प्रारंभिक रुचि पार्टी की वेबसाइट पर दर्ज करा सकते हैं।

पटना फल मंडी में जलजमाव, व्यापारियों को करोड़ों का नुकसान

एजेंसी, पटना

- नाला न होने से नहीं निकला पानी, व्यपारी बोले- सांसद और विधायक देखने-सुनने नहीं आते

पटना में पिछले दो दिनों से रूक-रूक कर बारिश हो रही है। इसके कारण बाजार समिति फल मंडी के व्यापारियों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। बारिश का पानी मंडी में घुस जाने से आम, पपीता सहित कई फलों का व्यापार बुरी तरह प्रभावित हुआ है। पटना फूड्स मार्केट एसोसिएशन के महासचिव भुट्टो खान ने बताया कि फिलहाल आम का सीजन अपने चरम पर है। उत्तर प्रदेश से लंगड़ा और चौसा आम बड़ी मात्रा में मंगाए जा रहे हैं। रात में नो एंट्री के बाद ट्रकों से आम उतारे जाते हैं। आम को पकाने के लिए कार्बाइड देकर जमीन पर पाल लगाया जाता है। रात में हुई बारिश के कारण पाल में रखे आम सड़कर नष्ट हो गए। इससे व्यापारियों को लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। इसके बाद भी यहां सांसद-विधायक कभी देखने तक नहीं आते हैं।

नाला निर्माण न होने से नहीं निकल पाता पानीः मंडी में आने वाले अन्य फलों के कार्टून भी जमीन पर रखे जाते हैं। दो दिनों की बारिश में ये सभी पूरी तरह बर्बाद हो गए। भुट्टो खान ने बताया कि बाजार समिति मंडी में नाला निर्माण न होने के कारण बरसात का पानी बाहर नहीं निकल पाता है। मंडी का स्तर सड़क से एक से डेढ़ फीट नीचे होने के कारण बारिश होने पर जल जमाव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। मीडिया प्रभारी वरुण कुमार के अनुसार, मंडी में लगभग 400 दुकानें हैं। यहां विभिन्न राज्यों से बड़े पैमाने पर ट्रकों द्वारा फल मंगाए जाते हैं। व्यापारियों ने मंडी में उचित जल निकासी व्यवस्था और नाला निर्माण की मांग की है ताकि भविष्य में इस तरह के नुकसान से बचा जा सके।

नुकसानः व्यपारी वरुण कुमार बताते है बाजार समिति मंडी में पपीता की 30, केला की 36 दुकानें है। उनका यह मानना है कि एक व्यापारी के फल का व्यापार प्रतिदिन तीन से चार लाख रुपए तक का होता है। उन्होंने यह भी बताया कि अगर सिर्फ एक दुकान की बात करें तो पपीता के 30 दुकानों में एक व्यापारी का 8 से 9 लाख के आसपास का नुकसान होता है। इस तरह अगर 30 व्यापारियों के नुकसान का आंकड़ा लगाए तो यह लगभग 3 करोड़ के आसपास का अनुमान लगाया जा सकता है। इसी तरह अगर देखा जाए तो आम, केला, सेब, अनार, संतरा सहित कई व्यापारियों के करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है।

सांसद और विधायक देखने-सुनने नहीं आतेः इसके अलावा अगर सब्जी में आलू, प्याज और मछली के व्यापारियों की बात कर तो उन सभी व्यापारियों को भी दो दिनों के बारिश में करोड़ों रुपए के नुकसान होने की बात बताई जा रही है।मंडी संघ के व्यापारियों ने आरोप लगाया है कि पटना में जगह-जगह नगर निगम, वुडको, नमामि गंगे सहित कई योजनाओं के लिए सड़क खोदा गया है। इसके कारण स्थिति और भी भयावह हो गई है।

तुलसीदास का लोकनायकतत्व एवं प्रेमचंद के कथा साहित्य पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन

बीएनएम @ मोतिहारी।

शहर के भवानीपुर जिरात स्थित डॉ. श्री कृष्ण सिन्हा महिला महाविद्यालय में हिंदी विभाग तथा आई.क्यू.एस.सी के तत्वावधान में "तुलसीदास का लोकनायकतत्व एवं प्रेमचंद के कथा साहित्य में अभिव्यक्त सामाजिक चेतना पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने मिलकर दीप प्रज्जवलन किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। महाविद्यालय की छात्रा परिणीता ने गोस्वामी तुलसीदास के व्यक्तित्व और कृतित्व तथा प्रेमचंद की कहानियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रेमचंद की कहानी स्कूल समय से ही बहुत लुभाती है। एक बार एक कहानी पढ़ने के बाद बार-बार मन करता है उसे पढ़ने का। उनकी यही सहजता, उन्हें एक महान साहित्यकार की श्रेणी में ला खडा करता है। नीतू कुमारी सेमेस्टर फोर्थ की छात्रा ने गोस्वामी तुलसीदास की रचनाओं पर कहा कि गोस्वामी तुलसीदास ने जीवन के विभिन्न क्षेत्रों को अपने साहित्य में उभरा है। आर्या अस्थाना ने प्रेमचंद और तुलसीदास के साहित्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दोनों में समानता यह है कि दोनों गुलाम भारत के साहित्यकार है और अपने साहित्य के माध्यम से आजादी का सपना संजोते हैं। महाविद्यालय की पूर्ववर्ती छात्रा संध्या कुमारी ने कहा कि तुलसीदास के साहित्य को जितना भी पढ़ा जाए, जितना भी गुण जाए कम है। वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में ऊर्जा की स्त्रोतस्विनी बहती है।जिसे पढ़कर आज का वर्ग भी ऊर्जावान हो सकता है। आई क्यू ए सी कोऑर्डिनेटर एवं परीक्षा नियंत्रण डॉ. नीतू ने मनोविज्ञान विज्ञान को आधार बना कहां के कोई भी साहित्य मनोविज्ञान का सहारा लेकर ही आगे बढ़ता है। तुलसीदास का साहित्य हो या प्रेमचंद का साहित्य हो इन्होंने मानव के मनोविज्ञान को पकड़ा और साहित्य सृजन किया। गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. मोहम्मद इरशाद आलम ने प्रेमचंद के साहित्य पर प्रकाश डालते हुए बताएं कि प्रेमचन्द पहले उर्दू में लिखा करते थे। उन्होंने गरीबी में जन्म लिया और अपने साहित्य में गरीबी के यथार्थवाद को अभिव्यक्ति प्रदान की। साहित्य के माध्यम से ही समाज के निम्न तपके को भी साहित्य में स्थान दिया। डॉ. किरण कुमारी ने तुलसीदास और प्रेमचंद के साहित्य पर व्याख्यान दिया।अध्यक्षीय भाषण महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. (डॉ.) नलिन विलोचन ने दिया। उन्होंने कहा कि तुलसीदास का साहित्य हो या प्रेमचंद का साहित्य उनके साहित्य में समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान दिया। उसकी समस्याओं को समझा। एक राजा को कैसा होना चाहिए। प्रजा कैसी हो शत्रु कैसा हो, पत्नी का क्या कर्तव्य है 'पुत्र का क्या उत्तरदायित्व हैं। यह सारे के सारे उनके ग्रंथ रामचरितमानस में देखने को मिलता है। वही प्रेमचंद की कहानियों को देखते हैं तो वह 300 से भी ज्यादा कहानियाँ है, जो मानसरोवर के आठ खण्डों में संग्रहित है। सारी की सारी कहानियाँ हमारे आस-पास की घटनाओं को ही अभिव्यक्ति देती है। इस तथ्य को उन्होंने बहुत ही सुंदर रूप मेंअपनी व्याख्या में रखा। धन्यवाद ज्ञापन एनओ डॉ. कल्पना सिंह ने किया। मंच का सफल संचालन हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा ने किया। कहा कि तुलसीदास को लोकनायक उनका साहित्य बनता है। उन्होंने अपने साहित्य के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को मान सम्मान दिया। ऐसा आदर्श हमारे सामने रखा जो आज तक इस आदर्श को मर्यादित रूप में हमारे सामने रखते हैं। प्रेमचंद को कथा सम्राट इसलिए कहा जाता है कि उनकी कहानियाँ आज भी छोटे बच्चों से लेकर जनसामान्य के साथ-साथ शोधार्थी तक को प्रभावित करता है। महाविद्यालय के शिक्षकों में डॉ. किरण कुमारी, डॉ. कल्पना सिंह, डॉ. नीतू , डॉ. मोहम्मद इरशद आलम, डा. कुमारी रोशनी विश्वकर्मा,डॉ. दीपमाला श्रीवास्ताव, कुमारी रंजना, डॉ. प्रीति राज, डॉ नीतू कुमारी, डॉ. सोनी कुमारी, डॉ. अमित कुमार, डॉ. आकृति रानी, डॉ. सोनी कुमारी तथा शिक्षकेत्तर कर्मचारियों में भास्कर गुप्ता , अमित कुमार, अमन कुमार,ज्ञान प्रकाश, प्रकाश कुमार पांडे, निहाल कुमार, अभय कुमार मिश्रा,लवली सिंह ,विकास कुमार,हरिचरण इत्यादि उपस्थित रहे। महाविद्यालय की छात्राओं में नीतू कुमारी,आर्य अस्थाना, परिणीति,संध्या पुष्प,रागिनी, पूजा,नेहा इत्यादि उपस्थित हुई।

विक्रम पटेल के बाकी हत्यारों की गिरफ्तारी कब होगी

बीएनएम @शिवहर।

विशुनपुर किशुनदेव के विक्रम कुमार की वीभत्स हत्या उसके दोस्त रवि किशन सिंह व उसके अन्य दोस्तों ने मिलकर कर दी। परिजनों ने शिवहर थाने में 4 लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराते हुए घटना के संबंध में बताया कि 17 जुलाई के दिन सुबह 9 बजे के करीब रवि किशन सिंह ने विक्रम कुमार को फ़ोन करके बुलाया जिस समय वह अपने खेत में खाद छीट रहा था। रवि किशन ने उससे बाइक लेकर आने को कहा था। उसके बाद 18 जुलाई की शाम को विक्रम की माँ ने विक्रम से फोन पर बात की उसके बाद से मोबाइल लगातार स्विच ऑफ बता रहा था। परिजनों ने बताया कि उसी दिन रात को विक्रम को जबरन दारू पिलाकर उसकी हत्या बर्बर तरीके से तलवार से गर्दन काटकर कर दी गयीं। इतने से उनका मन नहीं भरा तो उन्होंने चेहरे को पूरी तरह से तेजाब से जला दिया ताकि उसकी शिनाख्त न हो सकें। घटना की जानकारी 21 जुलाई को तब हुई जब गाँव के लोग सुबह शौच को गए तो उन्होंने देखा कि झाड़ी में एक युवक की लाश पड़ी थी। उसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गयीं। परिजनों ने चप्पल व टैटू से उसके लाश की पहचान की। 20 जुलाई को मृतक के भाई ने जब विक्रम के मोबाइल नम्बर पर फ़ोन किया तो सुपौल चौक के किसी आदमी ने फ़ोन उठाया, उसके बाद से फोन स्विच ऑफ हो गया। घटना के संबंध में परिजनों ने बताया कि गाँव के ही रवि रंजन कुमार उर्फ भूटाली जो नाबालिग बताया जा रहा हैं कि निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त कपड़ा व पर्स बरामद हुआ और तलवार को डुब्बा घाट में फेंकने की बात बताई जा रहीं हैं, को पुलिस पूछताछ के लिए अपने साथ तो ले गयीं लेकिन बाद में उसे छोड़ दिया गया। चर्चाओं का बाजार गर्म हैं कि आखिर पुलिस ने छोड़ा क्यों? अगर वह नाबालिग हैं तो उसे रिमांड होम क्यों नहीं भेजा गया? पुलिस ने घटना के मुख्य अभियुक्त रवि किशन की गिरफ्तारी मुज़फ़्फ़रपुर से कर ली हैं लेकिन सवाल यह हैं कि प्राथमिकी में दर्ज बाकी तीन आरोपियों- राजा कुमार, वल्द-रामप्रवेश राम, गोविंद महतो, वल्द-राजेश्वर महतो, रवि रंजन कुमार उर्फ भूटाली वल्द- रामेश्वर ठाकुर तीनों उसी गाँव के निवासी की गिरफ्तारी आखिर कब और कैसे होगी? सवाल यह भी हैं कि रवि किशन ने घटना में अपनी संलिप्तता तो स्वीकार कर ली हैं लेकिन क्या उसने अकेले ही घटना को अंजाम दिया? पुलिस घटना का सफल उद्भेदन होने का दावा कर अपनी पीठ खुद थपथपा रहीं हैं लेकिन चर्चाओं का बाजार गर्म हैं कि पुलिस बाकी आरोपियों को बचाने के प्रयास में लगी हुई हैं ऐसा परिजनों का आरोप हैं।

भू-अभिलेखों को अद्यतन करने को 16 अगस्त से शुरू हो रहा राजस्व महा-अभियान

» हर घर तक पहुंचेगी जमीन से जुड़ी जरूरी सुधारों की सुविधा
» नाम, खाता, खेसरा, रकबा, लगान जैसी कई अशुद्धियां होंगी दुरुस्त
» राजस्व व भूमि सुधार विभाग चलाएगा महाअभियान
» 16 अगस्त से 20 सितंबर तक चलेगा सुधार अभियान

बीएनएम @ मोतिहारी।

अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिंहा के द्वारा गुरुवार को बताया गया है कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की ओर से 16 अगस्त से 20 सितंबर तक राजस्व महाअभियान चलेगा। इस अभियान का उद्देश्य भूमि संबंधी दस्तावेजों में पारदर्शिता लाना और जनता को जमीन से जुड़ी जरूरी सुधारों की सुविधा सीधे उनके द्वार तक पहुंचाना है। इस अभियान के अंतर्गत डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटि सुधार, उत्तराधिकार नामांतरण, बंटवारा नामांतरण एवं छूटी हुई जमाबंदी को ऑनलाइन किया जाएगा। इन महत्वपूर्ण कार्यों को हल्का स्तर पर शिविर लगाकर पूरा किया जाएगा। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार सिंह ने सभी प्रमंडलीय आयुक्त एवं जिलाधिकारी को जारी पत्र में इसकी जानकारी दी है।
अपर समाहर्ता के द्वारा बताया गया है कि हर घर तक पहुंचेगी जमीन से जुड़ी जरूरी सुधारों की सुविधा। इस राजस्व महाअभियान के तहत डिजिटाइज्ड जमाबंदी में त्रुटियों का सुधार (परिमार्जन) छूटी हुई जमा बंदियों को ऑनलाइन कराना, उत्तराधिकार नामांतरण और बंटवारा नामांतरण जैसे मामलों का समाधान किया जाएगा। इसके साथ ही नाम, खाता, खेसरा, रकबा, लगान जैसी अशुद्धियों को ठीक किया जाएगा साथ ही ऑफलाइन जमाबंदी को डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। रैयत की मृत्यु के बाद उत्तराधिकारियों के नाम पर जमाबंदी कराई जाएगी। संयुक्त जमाबंदी के मौखिक बंटवारे के बावजूद अंशधारकों के नाम से अलग जमाबंदी सुनिश्चित की जाएगी। अपर समाहर्ता के द्वारा बताया गया है कि राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की तरफ से गठित टीमें 16 अगस्त से 15 सितंबर 2025 तक घर-घर जाकर लोगों को उनकी जमाबंदी की प्रति देंगी तथा हल्का शिविर में उनसे आवेदन लेंगी ताकि किसी को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। प्रत्येक पंचायत के सरकारी या अन्य सरकारी भवन में हल्कावार विशेष शिविर लगाए जाएंगे। इन शिविरों में भरे हुए आवेदन प्रपत्र जरुरी कागजातों के साथ जमा किए जा सकेंगे। प्रत्येक हल्का में कम से कम सात दिनों के अंतराल पर दो तिथियों में शिविर आयोजित किए जाएंगे। लोगों को आवेदन पत्र भरने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। अधिक जानकारी के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग की आधिकारिक वेबसाइट https://biharbhumi.bihar.gov.in/ पर विजिट किया जा सकता है। इसके अलावा विभाग के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी इस संबंध में जरूरी जानकारियां प्रदान की जायेंगी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी में प्रेमचंद की 145वीं जयंती पर विशेष व्याख्यान समारोह

बीएनएम @ मोतिहारी।

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा विख्यात कथाशिल्पी मुंशी प्रेमचंद की 145वीं जयंती के अवसर पर "प्रेमचंदः व्यक्तित्व एवं कृतित्व" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिंदी विभागाध्यक्ष व मानवीकी एवं भाषा संकाय के अधिष्ठाता प्रो. राजेंद्र सिंह बड़गूजर ने की, जो कार्यक्रम के संयोजक भी रहे। कार्यक्रम का आरंभ शोधार्थी सदस्य अवधेश कुमार द्वारा मंचासीन अतिथियों के स्वागत से हुआ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रो. बड़गूजर ने प्रेमचंद के साहित्य की सामाजिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि, "प्रेमचंद की भाषा लोक की भाषा है। साहित्य में युगबोध का होना आवश्यक है। एक साहित्यकार का साहित्य समाज को दिशा देता है।" उन्होंने प्रेमचंद के साहित्य और जीवन के गहरे अन्तर्संबंध की चर्चा भी की। हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने प्रेमचंद की रचनाओं की विवेचना करते हुए कहा, "कोई भी रचनाकार पूर्णतः किसी विचारधारा का गुलाम नहीं होता। प्रेमचंद की गरीबी को केवल एक कथात्मक दृश्य के रूप में देखना एक सीमित दृष्टिकोण है।" उन्होंने यह भी कहा कि 'कफन' केवल यथार्थ नहीं, बल्कि एक पहचान की कहानी है। कार्यक्रम में डॉ. गरिमा तिवारी, डॉ. गोविंद प्रसाद वर्मा, डॉ. आशा मीणा, एवं संस्कृत विभाग के डॉ. बबलू पाल जैसे शिक्षकों की उपस्थिति रही। संचालन की जिम्मेदारी शोधार्थी विकास कुमार ने निभाई, जबकि अशर्फी लाल ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। घटना की रिपोर्टिंग अस्मिता पटेल द्वारा की गई।

प्रो. एम.एन. हक़ बने मुंशी सिंह महाविद्यालय के प्राचार्य

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिले के मुंशी सिंह महाविद्यालय, मोतिहारी के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार का स्थानांतरण बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुज़फ्फरपुर के निर्देशानुसार दिनांक- 23/07/2025, पत्रांक - B/1715 के तहत् मोतिहारी शहर के एल.एन.डी महाविद्यालय में हो गया है। इसी आलोक में दिनांक - 31/07/2025 को प्रो. मृगेंद्र कुमार ने मुंशी सिंह महाविद्यालय के गणित विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. एम.एन हक़ के हाथों प्राचार्य का कार्यभार सौंपा। इस अवसर पर प्रो. मृगेंद्र कुमार, मुंशी सिंह महाविद्यालय में शिक्षक और प्राचार्य के रूप में अपने कार्य को याद करते हुए शिक्षकों और शिक्षकेतर कर्मियों के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर महाविद्यालय से संबंधित समस्याओं के निदान और महाविद्यालय के विकास को लेकर प्रो.एम.एन हक़ आशान्वित दिखे। इस अवसर पर मुंशी सिंह महाविद्यालय के सेवानिवृत पूर्व प्राचार्य प्रो. अरुण कुमार, राजनीति विज्ञान विभाग के सेवानिवृत प्रोफ़ेसर सुमन कुमार और प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने प्रो. एम.एन. हक़ का स्वागत अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ के साथ किया साथ ही शुभकामनाओं के साथ बधाई दी। इस अवसर पर प्रो. इक़बाल हुसैन, प्रो. अजय कुमार, डॉ. शफ़ीक़ुर रहमान, डॉ. नरेंद्र सिंह, ए.के. चौबे, डॉ. उर्मिला कुमारी, डॉ. आलोक कुमार पाण्डेय, डॉ. रत्नेश कुमार, डॉ. मनोहर कुमार श्रीवास्तव, डॉ. गौरव भारती, प्रमोद कुमार, सुनिल कुमार, हर्षवर्धन कुमार, शशिभूषण पाण्डेय और सुधीर कुमार राव, श्वेताँशु, गौरव कुमार, ओम प्रकाश राय, गुलाब रसूल, संतोष सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक और शिक्षकेतर कर्मचारी शामिल रहे। यह जानकारी मुंशी सिंह महाविद्यालय के मीडिया प्रभारी डॉ. गौरव भारती ने दी है।

जयसिंहपुर में भाजपा महिला मोर्चा की बैठक, चुनावी रणनीति पर जोर

बीएनएम @ तुरकौलिया।

हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र के जयसिंहपुर बहुरूपिया में भाजपा महिला मोर्चा की प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक गुरुवार को आयोजित की गई। बैठक में संगठन के कार्य, आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी, और सरकार की योजनाओं के प्रचार-प्रसार पर विस्तृत चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ से प्रवास पर आईं महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री संगीता शर्मा और उमा शर्मा ने भाजपा पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ खुलकर संवाद किया और चुनावी रणनीति को मजबूती देने के सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए हर कार्यकर्ता को बूथ स्तर तक सक्रिय रहना होगा। साथ ही, केंद्र एवं राज्य सरकार की योजनाओं—जैसे वृद्धा पेंशन, मुफ्त बिजली, आशा कार्यकर्ताओं की प्रोत्साहन राशि, एवं जीविका दीदियों को रोजगार—के बारे में स्थानीय जनता को जागरूक करने की अपील की गई। बैठक में जिलाध्यक्ष पवन राज ने कहा कि एनडीए सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु लगातार नई योजनाएं संचालित कर रही है। वृद्धा पेंशन अब 1,100 रुपए हो गई है, 125 यूनिट बिजली मुफ्त दी जा रही है, और आशा कार्यकर्ताओं को अब 3,000 रुपए प्रोत्साहन राशि मिलेगी। महिला मोर्चा की अध्यक्ष रिंकी कुमारी ने उपस्थित महिलाओं से संकल्प दिलाया कि आगामी चुनाव में हरसिद्धि से कमल खिलाना है और विधायक व गन्ना मंत्री कृष्णनंदन पासवान को भारी बहुमत से फिर से जिताना है, ताकि क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हो सके। बैठक में भाजपा नेता राजकिशोर कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र कुशवाहा, रामबाबू पटेल, अजय यादव, प्रमोद कुशवाहा समेत कई महिला कार्यकर्ता मौजूद थीं।

आज से प्रारंभ होगा तीन दिवसीय युवा चंपारण महोत्सव

मोतिहारी। चंपारण के युवाओं की पहल पर आयोजित होने वाले बहुप्रतीक्षित "युवा चंपारण महोत्सव 4.0" की तैयारियों को लेकर गुरुवार को शहर के एक निजी होटल में एक महत्वपूर्ण प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया जिसमें महोत्सव की विस्तृत रूपरेखा और आयोजन संबंधी तैयारियों की विस्तृत जानकारी साझा किया गया। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए आयोजकों ने बताया कि यह भव्य महोत्सव 1, 2 व 3 अगस्त 2025 को आयोजित किया जाएगा, जिसमें जिले भर के हजारों युवा प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। तीन दिवसीय इस आयोजन में कला, संगीत, नाटक, खेलकूद, युवा संवाद, क्विज समेत कई रचनात्मक और सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। महोत्सव का उद्देश्य युवाओं को एक रचनात्मक मंच प्रदान करना है जहाँ वे अपनी प्रतिभा, सोच और नेतृत्व क्षमता को अभिव्यक्त कर सकें। महोत्सव के आयोजकों ने कहा कि यह कार्यक्रम केवल एक मनोरंजक आयोजन न होकर, युवा चेतना, सामाजिक जागरूकता और नेतृत्व विकास का भी एक प्रयास है। यह चंपारण के युवाओं को न सिर्फ एक मंच देगा, बल्कि उन्हें सामाजिक और सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का भी कार्य करेगा। प्रेस वार्ता में समिति अध्यक्ष आकर्ष कुमार तिवारी, कार्यकारी अध्यक्ष अभिषेक सिंह सूर्या, मंच प्रबंधक अंकित कुमार सिंह, महासचिव अनीता निधि, सचिव प्रबोध पाठक, विशाल कुमार, हिमांशु दुबे, अमन कुमार, सन्नी कुमार, विशाल पांडे एवं रौशन कुमार समेत आयोजन समिति के कई सदस्य उपस्थित रहे।

पलनावा थाना में नए थानाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने संभाला पदभार

रामगढ़वा। पलनावा थाना में नव नियुक्त थानाध्यक्ष अनिल गुप्ता ने गुरुवार को पदभार ग्रहण किया। 2018 बैच के पुलिस अधिकारी अनिल गुप्ता इससे पहले पुलिस केंद्र मोतिहारी में तैनात थे। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि अपराध नियंत्रण के लिए सरकारी निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करते हुए सभी जरूरी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि नेपाल सीमा से सटे इलाके में शराब तस्करी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए व्यापक छापेमारी की जाएगी। क्षेत्र में भूमि विवाद और अन्य छोटे मामलों के समाधान में स्थानीय गणमान्य लोगों की सहभागिता से त्वरित निपटारा किया जाएगा। अनिल गुप्ता ने विशेष रूप से आपदा काल और शांति व्यवस्था बनाए रखने में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित और प्रोत्साहित करने के लिए भी पहल करने की बात कही। नवपदस्थापित थानाध्यक्ष ने थाने के सभी कर्मियों से सहयोगात्मक भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया तथा चौकीदारों को अपने-अपने बीट में सतर्क और जिम्मेदार रहने का निर्देश दिया।

हेपेटाइटिस बी से बचाव हेतु जरूरी है जागरूकता: सिविल सर्जन

स्वास्थ्य केंद्रों पर 28 जुलाई से 04 अगस्त तक हो रहा है जांच

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिले के लोगों को हेपेटाइटिस जैसे गंभीर बीमारी से बचाव के लिए जागरूक किया जा रहा है। सरकारी परिसर, स्वास्थ्य केन्द्र आदि स्थानों पर बैनर लगाया जा रहा है साथ ही सदर अस्पताल मोतिहारी एवम अनुमंडलीय अस्पताल में लोगों का हेपेटाइटिस बी सहित कई प्रकार की जांच निःशुल्क की जा रही है ताकि वे इस गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रह सकें। इस सम्बंध में जिले के सीएस डॉ. रवि भूषण श्रीवास्तव ने बताया कि जागरूकता लाने के उद्देश्य से सेल प्रत्येक वर्ष 28 जुलाई को "विश्व हेपेटाइटिस बी" दिवस मनाया जाता है। वहीं सप्ताह मनाते हुए 04 अगस्त तक जाँच की जा रहीं है। उन्होंने कहा कि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में टीकाकरण केंद्रों पर नवजात शिशुओं को इसके प्रति सुरक्षित करने के उद्देश्य से निःशुल्क लगाए जाते हैं। स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे ने कहा कि हेपेटाइटिस वायरस के कारण होने वाला एक तरह का संक्रमण है जो प्रतिरोधक क्षमता को कम कर देता है। जिस कारण लिवर सिरोसिस, लिवर कैंसर एवं हृदय आघात का खतरा बढ़ जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की मानें तो प्रति वर्ष पूरे विश्व में लगभग 9 लाख से अधिक लोगों की मौत हेपेटाइटिस "बी" संक्रमण से होती है। वहीं डॉ. सोनाली गुप्ता ने बताया कि गर्भवती महिलाओं को हेपेटाइटिस का खतरा होता है, खासकर हेपेटाइटिस बी और सी का। गर्भावस्था के दौरान,

हेपेटाइटिस का संक्रमण मां से बच्चे में फैल सकता है, जिससे बच्चे को भी यह बीमारी हो सकती है, इसलिए प्रसव पूर्व जांच कराते रहें, गर्भावस्था के दौरान हेपेटाइटिस के कारण समय से पहले प्रसव, कम वजन का बच्चा, या गर्भपात जैसी जटिलताएं भी हो सकती हैं। इसलिए गर्भावस्था के दौरान सभी महिलाओं को हेपेटाइटिस बी और सी की जांच करवानी चाहिए। हेपेटाइटिस बी से बचाव के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए। उन्होंने बताया कि हेपेटाइटिस ए वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है और दूषित पानी या भोजन के सेवन से फैलता है। मतली, उल्टी, दस्त, निम्न-श्रेणी का बुखार और लिवर एरिया में दर्द कुछ ऐसे लक्षण हैं जिन पर ध्यान देना जरूरी होता है। हेपेटाइटिस बी वायरस संक्रमित खून, वीर्य और शरीर के अन्य तरल पदार्थों के संपर्क में आने से फैलता है। जन्म के दौरान भी संक्रमित मां से उसके बच्चे में वायरस के ट्रांसमिशन की संभावना अधिक होती है। हेपेटाइटिस बी वायरस लक्षण प्रकट होने से पहले छह महीने तक शरीर में निष्क्रिय रह सकता है। इसलिए अत्यधिक थकान, भूख न लगना, पीलिया, लिवर एरिया में दर्द, मतली और उल्टी जैसे लक्षणों से सावधान रहना और जल्द से जल्द हेपेटाइटिस का टेस्ट करवाना अनिवार्य है। हेपेटाइटिस बी का संक्रमण सबसे ज्यादा प्रसूता से नवजात शिशुओं में फैलता है। हेपेटाइटिस का संक्रमण खून चढ़ाने, इस्तेमाल की गई सुई का प्रयोग, दाढ़ी बनाने वाले रेजर, दूसरे के टूथब्रश का इस्तेमाल करने, असुरक्षित यौन संबंध, टैटू बनवाने, नाक-कान छिदवाने से होता है। मौके पर सदर अस्पताल स्वास्थ्य प्रबंधक कौशल दुबे, मदन मोहन झा, संजीव कुमार, चांदसी कुमार, धीरज कुमार, आदित्य कुमार, मो. कमाल, अमरेंद्र कुमार व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित रहे।

बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड के राजकीय प्राथमिक विद्यालय घेवडही की बदहाली

बीएनएम @बगहा

खुले आसमान के नीचे पढ़ने को मजबूर है एक सौ बच्चे

बगहा अनुमंडल के मधुबनी प्रखंड में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय घेवडही की स्थिति काफी दयनीय है। इस स्कूल में पढ़ने वाले लगभग 100 बच्चे खुले आसमान एवं एक छोटे से एलबेस्टर शेड में पढ़ने को मजबूर है। इस स्कूल के बच्चों को मूलभूत बुनियादी सुविधाओं का नहीं मिल रहा है। जिसके कारण बच्चे खुले आसमान के नीचे, तेज धूप और बारिश में पढ़ने को मजबूर हैं। स्कूल में न बाउंड्री वॉल है, न बिजली, न पंखा, और न ही शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाएँ। स्थानीय लोगों का गुस्सा इस बात को लेकर है कि स्थानीय विधायक और सांसद अब तक स्कूल भवन के निर्माण के लिए कोई कदम नहीं उठाया। स्कूल के प्रिंसिपल हरि प्रसाद ने बताया कि उन्होंने कई बार प्रखंड संसाधन केंद्र बीआरसी और जिला प्रशासन को इसकी सूचना दी,लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

वर्तमान में स्कूल एक कच्चे कमरे में चल रहा है, जहाँ 100 बच्चों को ठूँस-ठूँस कर पढ़ाया जा रहा है। अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सुरक्षा और शिक्षा का माहौल पूरी तरह से प्रभावित हो रहा है। असामाजिक तत्वों का खतरा बना रहता है, क्योंकि स्कूल परिसर में कोई चहारदीवारी नहीं है।वही दौनाहा पंचायत के पूर्व मुखिया सुभाष कुशवाहा ने गुस्से में कहा कि हमारे बच्चे धूप और बारिश में पढ़ने को मजबूर हैं। विधायक और सांसद को इस क्षेत्र की चिंता क्यों नहीं है। एक अन्य अभिभावक सुनीता देवी ने बताया कि बारिश में बच्चों की किताबें भीग जाती हैं और गर्मी में स्कूल में पंखे की सुविधा नहीं होने के कारण बच्चे बेहाल हो जाते हैं। शिक्षा विभाग की उदासीनता और प्रशासन की लापरवाही ने इस स्कूल को बदहाली के कगार पर खड़ा किया है। ग्रामीणों ने मांग की है कि तत्काल स्कूल के लिए पक्का भवन, बाउंड्री वॉल, बिजली, पंखा और शौचालय की व्यवस्था की जाए, ताकि बच्चों को सुरक्षित और बेहतर माहौल में शिक्षा मिल सके।

ड्राइवर का आवाज दबने नहीं देगाः सिटू

बीएनएम @ मोतिहारी।

ऑटो एवं ई-रिक्शा चालक संघ पूर्वी चंपारण द्वारा ड्राइवर डे केक काटकर मनाया गया। ड्राइवर को लाल गमछा देकर सम्मानित किया गया। जिला अध्यक्ष संजय गुप्ता ने कहा कि ड्राइवर के ऊपर जुल्म, शोषण और दमन जब होगा उसके विरुद्ध आंदोलन में सीटू अग्रणी भूमिका में होगा तथा उसके आवाज को दबने नहीं देगा। सीटू जिला कार्यालय चांदमारी सभागार में ड्राइवर दिवस के अवसर पर आयोजित सेमिनार को संबोधित करते हुए कही। सेमिनार को संबोधित करते हुये राजपत्रित कर्मचारी महासंघ के जिला अध्यक्ष शक्ति नाथ तिवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि चार श्रम संहिता वापस लेने एवं हिट एंड रन कानून के खत्म होने तक श्रमिक वर्ग आंदोलन में लगे रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि सत्येन्द्र कुमार मिश्र, अशोक पाठक व संघ के सभी पदाधिकारी, सदस्य महामंत्री विकास कुमार, मिठू कुमार, मीडिया प्रभारी प्रीतेश रंजन, कोषाध्यक्ष मिथुन कुमार, विपिन बिहारी दुबे, उपाध्यक्ष समसुल आलम, संगठन मंत्री हमराज हाशमी, सचिव फिरोज आलम एवं चालकों में राहुल कुमार, असलम आलम, सिकंदर साहनी, दीपक कुमार, छोटू कुमार, शशि रंजन, मुन्ना आलम, हरेंद्र कुमार सिकंदर साहनी सहित अन्य ड्राइवर ने संबोधित में भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष प्रदीप साहनी ने किया। बैठक की संचालन मिथुन कुमार ने की।

किसानों को उर्वरक निर्धारित दर पर उपलब्ध कराने के लिए विभाग है तत्पर- डीएओ

- बिना उर्वरक अनुज्ञप्ति के कालाबाजारी एवं तस्करी के नियत से रखे हुए 225 बोरा यूरिया खाद के विरुद्ध प्राथमिक दर्ज

बीएनएम @ मोतिहारी।

उर्वरक के जीरो टॉलरेंस नीति के शत्-प्रतिशत अनुपालन के क्रम में गुरुवार को जिला के बनकटवा प्रखंड अंतर्गत रेगनिया गांव में अनियमित उर्वरक एवं तस्करी के आरोप में बिकू यादव, पिता- दिनदयाल राय ग्राम-रेगनिया, प्रखंड-बनकटवा के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के तहत जितना थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। विदित हो कि उर्वरक की कालाबाजारी के मद्देनजर जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के निर्देश के आलोक में जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह द्वारा बनकटवा प्रखंड में उर्वरक की आपूर्ति रोक दिया गया था। बीते कल 31.07.2025 को गुप्त सूचना के आधार पर यह पता चला कि बिकू राय 225 बोरा यूरिया अपने घर में बिना उर्वरक अनुज्ञप्ति के कालाबाजारी एवं तस्करी के नियत से रखे हुए है। सूचना प्राप्त होते हुए जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह के निर्देश पर कृषि विभाग एवं जिला प्रशासन के सहयोग से उर्वरक निरीक्षक-सह-कृषि समन्वयक द्वारा जितना थाना में प्राथमिकी दर्ज किया गया है। अनियमित उर्वरक एवं तस्करी के आरोप में दोषी व्यक्ति बिकू यादव, पिता- दिनदयाल राय, ग्राम-रेगनिया, प्रखंड-बनकटवा की गिरफ्तारी हेतु अग्रेतर कार्रवाई की जा रही है। जिला कृषि पदाधिकारी श्री सिंह द्वारा बताया गया कि उर्वरक की कालाबजारी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। किसानों को सुगमतापूर्वक उर्वरक निर्धारित दर पर प्राप्त हो इस दिशा में विभाग सदैव तत्पर है। छापेमारी में अनुमंडल कृषि पदाधिकारी, सिकरहना सहित अन्य विभागीय पदाधिकारी/कर्मी मौजूद रहे।

जन शिक्षण संस्थान के द्वारा चलाई जा रही स्वच्छता पखवाड़ा का हुआ समापन

बीएनएम @ मोतिहारी।

जन शिक्षण संस्थान के द्वारा स्वच्छता अभियान विगत 16 जुलाई 2025 से 31 जुलाई 2025 तक चलाया गया। इस स्वच्छता अभियान के अंतर्गत एकल प्लास्टिक उपयोग एवं पॉलीथिन बैग के उपयोग को रोकने के लिए प्रशिक्षणार्थियों के बीच पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में शामिल प्रशिक्षणार्थियों के द्वारा अपने-अपने विचार को अभिव्यक्त किया गया। स्वच्छता पखवाड़ा के समापन के दिन प्लास्टिक उपयोग से होने वाली हानि के बारे मे निदेशक द्वारा बताया गया कि प्लास्टिक से किस तरह हम अपने आप को ही नहीं बल्कि वातावरण को भी नुकसान पहुंचा रहा हैं। हम आज यह संकल्प लेते हैं कि आज से और अभी से ही प्लास्टिक कि थैली का उपयोग न करके उसके जगह कपड़े से बने थैली का उपयोग करेंगे और अपने आप को सुरक्षित रखेंगे। उक्त मौके पर संस्थान के सभी कार्यकर्ता, प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षणार्थियों ने सक्रिय रूप से योगदान दिए। संवाद प्रेषित करते हुए जन शिक्षण संस्थान से मधु कुमारी ने बताया कि यह कार्यक्रम सभी उपकेंद्र पर भी किया गया है और इसी के साथ स्वछता पखवाड़ा का समापन किया गया।

विष्णुपुर पंचायत सरकार भवन में किसानों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला आयोजित

बीएनएम @ नावकोठी

विष्णुपुर के पंचायत सरकार भवन में किसानों का एक दिवसीय उन्मुखीकरण कार्यशाला गुरूवार को आयोजित किया गया.इसकी अध्यक्षता मुखिया प्रभा देवी ने की. पंचायत के किसानों को बागवानी एवं तालाब निर्माण से संबंधित जानकारी प्रदान संस्था के द्वारा दिया गया. प्रदान संस्था के शिवचन्द्र व गौतम गोस्वामी के द्वारा आजीविका में वृद्धि करने के विभिन्न कार्यक्रम से अवगत कराया गया.मनरेगा द्वारा संचालित योजना,खेतों में सघन बागवानी करने जिससे उतना ही जमीन में लगातार लाभ मिलते रहे.नये तकनीक से खेती व तालाब से संबंधित योजनाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से बताया गया.बागवानी के दौरान खेती, लेआउट, पौधे का चयन,पौधे का उपचार, सिंचाई,पौधे लगाने का विधि,सरकारी योजना एवं मनरेगा के द्वारा मिलने वाले लाभ के बारे में बताया गया.वहीं अफसाना रोजी व सुमन सौरभ के द्वारा मछली पालन करने वाले किसानो के लिए सरकार से मिलने वाले लाभों के बारे में बताया गया. मछली पालन के तकनीक सिखाया गया.मौके पर प्रदान संस्था के प्रिति कुमारी, सिम्पी कुमारी, मुखिया प्रतिनिधी टुनटुन पोद्दार, सुरेश पासवान, चितरंजन महतो, अमल महतो सहित अन्य किसान उपस्थित थे.

जमीनी विवाद में महिला की हत्या मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

बीएनएम @ तुरकौलिया।

13 जुलाई को हरसिद्धि विधानसभा अंतर्गत जयसिंहपुर बहुरूपिया गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट में एक महिला की मौत मामले में पुलिस ने फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जयसिंहपुर बहुरूपिया निवासी रवि कुमार राम के रूप में की गई है। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि मृतका उर्मिला देवी, जो गांव के जगदीश राम की पत्नी थीं, की सिर पर फरसा और लाठी से किए गए वार के चलते मौके पर ही मौत हो गई थी। घटनास्थल पर हुए विवाद में जगदीश राम, उनका पुत्र और पतोहू भी गंभीर रूप से घायल हुए थे, जिनमें से दो को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल रेफर किया गया था। मामले में जगदीश राम द्वारा स्थानीय थाना में 22 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई थी। पुलिस के पहुचने से पहले ही सभी आरोपी घर छोड़कर फरार हो गए थे। गिरफ्तार आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है, जबकि अन्य फरार आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है।

जिलाधिकारी ने वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण

बीएनएम @ मोतिहारी।

जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा गुरुवार को शहर के वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया गया। उक्त निरीक्षण के दौरान जिला प्रोग्राम पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी, जिला परियोजना प्रबंधक, महिला एवं बाल विकास निगम, डी.एच.ई.डब्ल्यू एवं वन स्टॉप सेंटर, पूर्वी चंपारण के सभी कर्मी उपस्थित थे। जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण के दौरान वन स्टॉप सेंटर में संधारित की जाने वाली सभी पंजीयों एवं कुछ निबंधित वाद से संबंधित संचिकाओं की जांच की गई। केस वर्कर एवं परामर्शी से उनके कार्यों एवं दायित्वों के बारे में जानकारी ली गई एवं कार्य निष्पादन संबंधी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि वन स्टॉप सेंटर पूर्वी चंपारण अंतर्गत निबंधित वादों का त्वरित निष्पादन किया जाए। किसी भी कर्मी द्वारा कार्य मे लापरवाही करने की स्थिति में नियमानुसार आवश्यक कार्यवाई की जाएगी। जिलाधिकारी द्वारा यह भी निर्देश दिया गया कि वन स्टॉप सेंटर में सुरक्षा के दृष्टिकोण से सुरक्षा प्रहरी के नियोजन होने तक पुलिस विभाग से दो गार्ड की प्रतियुक्ति की जाए।

निरीक्षण के क्रम में जिला प्रोग्राम पदाधिकारी-सह-नोडल पदाधिकारी द्वारा वन स्टॉप में दी जाने वाली सेवाओं के बारे में बताया गया कि किसी भी प्रकार के हिंसा से पीड़ित महिलाओं को एक छत के नीचे चिकित्सकीय सहायता, कानूनी सहायता, मनोसामाजिक परामर्श, एफआईआर/डीआईआर करने में सहयोग, पांच दिनों की अल्पावास सुविधा उपलब्ध कराया जाता है।

कटाव में आधा दर्जन से ज्यादा घर गंगा में विलीन

बीएनएम @ शाहपुर/भोजपुर

- पानी में विलीन हुए अपने घर को देख लोगों की आंखों से निकल रहे आंसू

गंगा जलस्तर में वृद्धि से उठी तेज लहरो के बीच उफनती धारा के कटाव में गुरुवार को भी आधा दर्जन से ज्यादा घर गंगा में विलीन हो गया। जिसमें गांव से बाहर रह रहे नवनिर्मित दो मंजिला सत्यनारायण पांडेय का घर भी गुरुवार को विलीन हो गया। इस घर का गृह प्रवेश भी नहीं कराया गया था, साथ ही उनके अन्य पाटीदार उमाशंकर पांडेय, भरत पांडेय, बिध्यांचल पांडेय, बेचू पांडेय, गोपाल पांडेय, अरविंद पांडेय सहित अन्य का घर शामिल है। कटाव से मकान गंगा में विलीन होने वाले घर की संख्या दिन प्रतिदिन बढती जा रही है। कटाव से जवईनिया का भयावह हाल हो गया है। लोग दहशत के माहौल में जी रहे है। कटाव से विस्थापित परिवार का कहना है कि बडी लालसा से अपने पिता सत्यनारायण पांडेय के लिए घर बनाया था। हम सब बाहर रहेगें माता पिता की याद जवईनिया से जुडी थी। दो मंजिला मकान बनाकर ताले बंद कर बाहर थे। लेकिन गंगा मईया मेरा अशियाना छीन कर गंगा में समाहित कर दी। कहा कि दो मंजिला मकान बनाने में पैंतीस लाख रुपए से अधिक लगा था। गंगा कटाव से जवईनिया गांव का अस्तित्व अब मिटने के कगार पर पहुंच गया है। स्थिति ऐसी है कि लग रहा है कि इस गांव का नाम अब सिर्फ इतिहास के पन्नो में रह जाएगा। कभी भी जवईनिया टेन प्लस टू विद्यालय गंगा में विलीन हो सकता है। स्कूल खालीकर सभी आवश्यक कागजात, रिकॉर्ड दूसरे विद्यालय में सुरक्षित जगह रख दिया गया है। फिलहाल सामुदायिक किचेन विस्थापित को खिलाने के लिए इंटर प्लस टू विद्यालय में चल रहा है। लेकिन सभी लोग भय से सहमे सहमे खाना बनाते खिलाते है। विस्थापित पानी में विलीन हुए अपने घर को सरसरी निगाह से निहार रहे हैं। बांध पर शरण लिए लोगों को बारिश और गरज में काफी मुश्किलों का सामना करना पड रहा है। छोटे बच्चे बूढे जवान बांध पर रहने से सांप बिच्छू के काटने के डर से सहमे सहमे है। डर है कि कही कोई हादसे का शिकार न हो जाएं।

प्रशासन के द्वारा राहत कार्य जारी, अधिकारी रख रहे नजर

शाहपुर सीओ रशिम सागर से बांध पर ठहरने को छोड़ कोई वैकल्पिक व्यवस्था पूछे जाने पर बताया कि वाटर प्रूफ टेंट लगाया गया है। जब तक कोई जमीन का अशियाना ढूंढ नहीं लिया जाता है। तब तक तो ठहरना ही पडेगा। इसके लिए प्रक्रिया चल रही है। सीओ ने बताया कि स्कूल वगैरह खुला रखा गया है। इधर, विभिन्न संस्थान से राजनैतिक व गैर राजनैतिक लोग राहत कार्य में सूखा व बना बनाया खाना गांव में व बांध में जाकर बांट रहे हैं। बांध पर विस्थापित परिवारों के बीच अंचल प्रशासन की ओर से जनरेटर से बिजली की व्यवस्था कराई गई है। सामुदायिक किचेन में फल, दूध, भोजन की व्यवस्था कराई गई है। प्रशासन भी लगातार वस्तु स्थिति पर नजर रखे हुए है। अधिकारी बाढ़ और कटाव पीड़ित को किसी प्रकार की कोई असुविधा नहीं हो इसके लिए मानिटरिंग कर रहे है।

मौसमी मार से शिक्षा प्रभावित

वैश्विक रिपोर्ट का अनुमान है कि अत्यधिक गर्मी के कारण बच्चों की स्कूली शिक्षा में डेढ़ साल तक की कमी आ सकती है। हाल के दशकों में हुई शिक्षा उपलब्धियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने का खतरा है। गर्मी, जंगलों की आग, तूफान, बाढ, सूखा, बीमारियां और समुद्र का बढता स्तर शिक्षा परिणामों को प्रभावित करता है। यूनिस्को की वैश्विक शिक्षा निगरानी टीम, जलवायु संचार व शिक्षा निगरानी एवं मूल्याकंन परियोजना और कनाडाई विविद्यालय द्वारा संकलित रिपोर्ट के अनुसार बीते बीस वर्षो में चरम मौसम की घटनाओं के कारण कम से कम 75ल समय स्कूल बंद रहे, जिससे पचास लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। बता रहे हैं, औसत से दो डिग्री अधिक तापमान का सामना करने वाले बच्चे औसत तापमान वाले बच्चों की तुलना में डेढ़ वर्ष कम शिक्षा प्राप्त कर पाते हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2019 में चरम मौसम की घटनाओं से सबसे ज्यादा प्रभावित दस देशों में से आठ या तो निम्न या निम्नमध्य आय वाले हैं। यूनिसेफ के अनुसार, 2024 में दुनिया भर में कम से कम 24.2 करोड़ छात्रों की शिक्षा चरम मौसम के कारण बाधित हुई। पूर्व में भी विभिन्न अध्ययनों में पाया गया है कि छात्रों पर उस तापमान का गहरा असर होता है, जिसके वे अभ्यस्त नहीं होते। तापमान में आने वाले जबरदस्त परिवर्तन सिर्फ पढाई के समय को ही नहीं प्रभावित करते बल्कि शिक्षा की गुणवत्ता पर भी असरकारक होते हैं। जलभराव, सड़कों की दुर्दशा व परिवहन संबंधी दिक्कतों के चलते कितने छात्र स्कूल जाने से वंचित रह जाते हैं, इस पर कोई प्रमाणिक अध्ययन नहीं किया जाता। स्कूली शिक्षा व स्वशिक्षा की गुणवत्ता में भारी अंतर होता है। बावजूद इसके मौसमी मार से शिक्षा को बचाने के लिए ऐसे तरीके प्रयोग में लाने की आवश्यकता बढ़ती जा रही है, जिनकी मदद से स्वअध्ययन व इंटरनेट द्वारा पढ़ाई संभव हो सके। भारत में स्थिति और भी इसलिए बिगड़ जाती है क्योंकि यहां ढेरों स्कूलों के पास ढंग का भवन तक नहीं है। बिजली कनेक्शन या पंखों की हालात किसी से छिपी नहीं है। बेशक मौसम के चरम का असर शारीरिक होने के अतिरिक्त मानसिक भी कम नहीं होता। भीषण गरमी में पढ़ाई संभव नहीं होती।

चीन के हथियारों की पोल खुली, जंग के मैदान में इस्तेमाल करने वालों की ही आ रही शामत

ओम पराशर

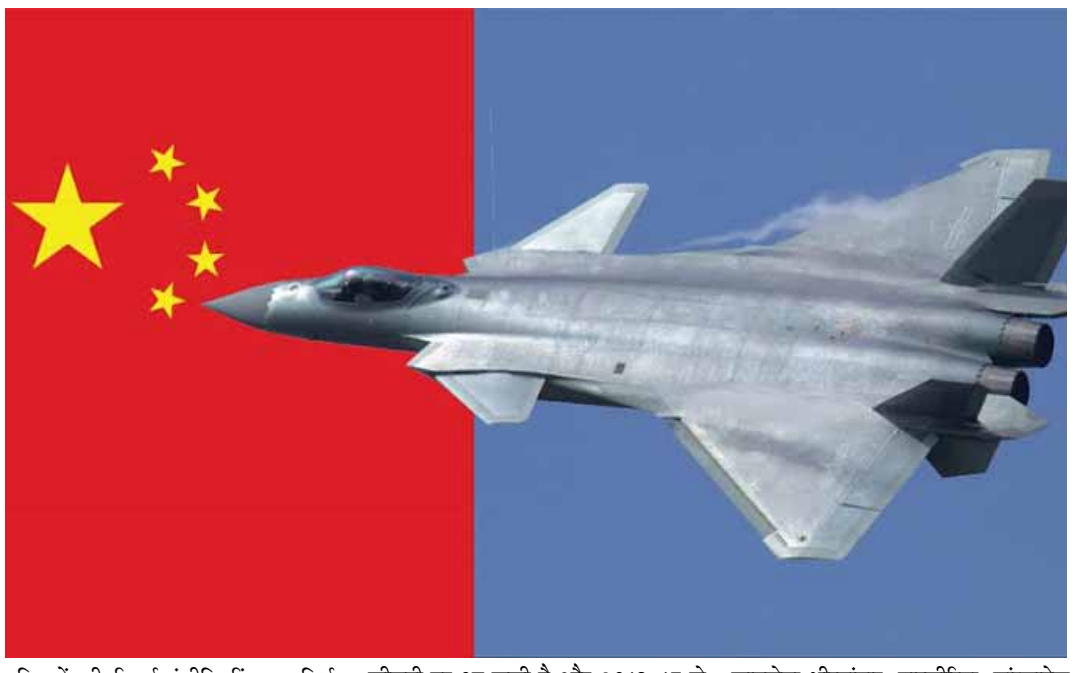

चीन की सैन्य ताकत और वैश्विक हथियार बाज़ार में बढ़ती दखल का दावा अब गंभीर सवालों के घेरे में है। अभी कुछ दिनों पहले ही बांग्लादेश के एक शिक्षण संस्थान पर जो फाइटर प्लेन क्रैश हुआ था वह चीन में ही बना था। हाल के वर्षों में एशिया, अफ्रीका और मध्य पूर्व के कई देशों ने चीनी हथियारों को खरीदकर भारी रणनीतिक जोखिम उठाया है। दिखावे में उन्नत और सस्ते हथियार, युद्ध के मैदान में बार-बार विफल साबित हुए हैं। चीन के लड़ाकू विमान, ड्रोन, टैंकों और मिसाइल प्रणालियों में तकनीकी खामियां, खराब डिज़ाइन, और रखरखाव की समस्याएं सामने आई हैं। इसकी वजह से जंग के मैदान में तो नाकामी आ ही रही है, साथ ही इनका इस्तेमाल करने वालों की जान भी जा रही है। भरोसे की कमी और घटती बिक्रीबीते कुछ वर्षों में चीन के हथियारों पर दुनिया का भरोसा लगातार डगमगाया है। थाईलैंड और अल्जीरिया जैसे देश चीनी हथियारों में लगे उपकरणों को पश्चिमी तकनीक से बदलने को मजबूर हुए हैं। कथित 'कम कीमत' की असलियत तब सामने आती है जब जंग के समय ये हथियार जवाब दे जाते हैं। रिपोर्टों के अनुसार, 2016 से 2020 के बीच चीन के हथियार निर्यात में लगभग आठ प्रतिशत की गिरावट आई है। पाकिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश जैसे पारंपरिक ग्राहक भी अब दूसरी दिशाओं में झांक रहे हैं। बार-बार फेल हुए चीनी हथियारचीन से निर्यात किए गए कई हथियार हाल के वर्षों में बुरी तरह असफल हुए हैं। म्यांमार ने JF-17 फाइटर जेट्स (चीन के साथ मिलकर बने) को ग्राउंड कर दिया क्योंकि इनमें इंजन और रडार से जुड़ी गंभीर दिक्कतें थीं। नाइजीरिया को दिए गए नौ F-7 लड़ाकू विमानों में से सात को रखरखाव और दुर्घटनाओं के कारण वापस भेजना पड़ा। बांग्लादेश में K-8W ट्रेनर विमान की रडार प्रणाली और हथियार प्रणाली बार-बार फेल हुई। अल्जीरिया और मिस्र ने शिकायत की है कि उन्हें मिले CH-4 ड्रोन बार-बार क्रैश हुए और किसी भी वास्तविक सैन्य अभियान में भरोसेमंद नहीं साबित हुए। पाकिस्तान की नौसेना को F-22P फ्रिगेट्स और HQ-9 व PL-15 मिसाइलों में इंजिन, सेंसर और गाइडेंस की गंभीर तकनीकी समस्याएं झेलनी पड़ीं। ऑपरेशन सिंदूर में खुली कलई2025 में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए 'ऑपरेशन सिंदूर' ने चीनी हथियारों की पोल सार्वजनिक रूप से खोल दी। चीन से मिले एयर डिफेंस सिस्टम HQ-9 और PL-15 एयर टू एयर मिसाइलें भारतीय हमलों को रोकने में असफल रहीं, जिससे पाकिस्तान को भारी बुनियादी ढांचे का नुकसान हुआ। इन विफलताओं ने साबित कर दिया कि चीनी हथियारों की प्रदर्शन क्षमता सिर्फ कागजों में है, ज़मीन पर नहीं। सिस्टम की जड़ में खामीचीन में हथियार निर्माण प्रक्रिया में गहरी समस्याएं हैं। पश्चिमी देशों की तरह कोई सख्त गुणवत्ता नियंत्रण या प्रमाणन प्रणाली नहीं है। हथियारों की रियल-टाइम कॉम्बैट टेस्टिंग ना के बराबर होती है। उत्पादन की होड़ में गुणवत्ता की अनदेखी होती है और भ्रष्टाचार का बोलबाला है। हाल के वर्षों में कई पीएलए जनरलों की बर्खास्तगी इसी का प्रमाण है। इसके अलावा, चीन का रक्षा क्षेत्र नवाचार में पीछे है और वह अब भी पश्चिमी व रूसी हथियारों की रिवर्स इंजीनियरिंग पर निर्भर है। J-20 फाइटर जेट दिखने में अमेरिकी F-22 जैसा है, पर उसकी तकनीक और परफॉर्मेंस काफी पीछे है। मरम्मत में मुसीबत, खरीदार परेशानचीन से हथियार खरीदने वाले कई देशों को मरम्मत और स्पेयर पार्ट्स के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। नाइजीरिया और म्यांमार जैसे देशों को तो विदेशी तकनीशियन बुलाने पड़े ताकि सिस्टम काम कर सके। चीनी हथियारों की ट्रेनिंग और दस्तावेज़ भी स्थानीय भाषाओं में नहीं होते, जिससे संचालन में और दिक्कत आती है। गिरती साख और रणनीतिक नुकसानचीन की हथियार बिक्री 5.6 फीसदी से गिरकर 5.2 फीसदी पर आ चुकी है और 2013-17 से 2018-22 के बीच 23 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। पाकिस्तान तक अब टर्की जैसे देशों की तरफ रुख कर रहा है। भारत ने हाल ही में एक व्यापक समीक्षा शुरू की है, ताकि सैन्य उपकरणों में चीन-निर्मित हिस्सों को हटाया जा सके।

विशेषज्ञों की रायअलेक्जेंडर वुविंग और कॉलिन कोह जैसे रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि चीनी हथियार तकनीकी रूप से कमजोर, अनुभवहीन और कम भरोसेमंद हैं। रैंड कॉरपोरेशन की रिपोर्टें भी बार-बार चेतावनी देती रही हैं कि चीन की रक्षा निर्यात प्रणाली में मूलभूत खामियां हैं। सस्ता है, पर जानलेवा भीम्यांमार, नाइजीरिया, बांग्लादेश और पाकिस्तान जैसे देशों का अनुभव यही दर्शाता है कि चीनी हथियारों पर भरोसा करना रणनीतिक भूल हो सकती है। ये सिस्टम जंग के समय नाकाम होते हैं और उनकी मरम्मत या प्रतिस्थापन कई गुना महंगा पड़ता है। चीन जब तक गुणवत्ता, पारदर्शिता, नवाचार और भरोसेमंद सपोर्ट सिस्टम में सुधार नहीं करता, तब तक उसका वैश्विक हथियार बाज़ार में दावा अधूरा ही रहेगा। सस्ते सौदों की लालच में देश अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा को जोखिम में डाल रहे हैं। अब समय है कि खरीददार देश सिर्फ लागत नहीं, बल्कि विश्वसनीयता और युद्धक्षमता को प्राथमिकता दें।

हमारी आस्था,संस्कृति की धारा,सद्भाव,समभाव समावेश की है

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

भारत अपनी बुनियादी नीव, एकता अखंडता सामाजिक उदारवाद, अलौकिक प्राकृतिक संसाधनों, धर्मनिरपेक्षता, अनेकता में एकता, सौहार्दपूर्ण वातावरण और शांतिप्रिय संस्कृति के लिए विश्व प्रसिद्ध है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मानता हूं कि वैश्विक स्तर पर इन सभी खूबियों की चर्चा कर तारीफ़ और उदाहरण पेश किया जाता है जो प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से हम सुनते हुए देखते हैं, तो हम गर्व महसूस करते हैं कि हम ऐसे देश के नागरिक हैं जहां सभी जाति, धर्म, उपजाति, भाषाओं, उप भाषाओं के नागरिक खूबसूरती से एक साथ मिलजुल कर रह रहे हैं और देश के विकास में अपने अपने स्तर पर भरपूर योगदान दे रहे हैं। युवा राष्ट्र होने के नाते भारत अपने युवाओं, मूल्यवान संपत्तियों, संसाधनों, जग प्रसिद्ध बौद्धिक क्षमता का भरपूर उपयोग कर विश्व नेता बनने के सपने संजोए हुए हैं जिसके लिए विज़न 2047, 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था सहित अनेक विज़न पर कार्य शुरू है। साथियों परंतु पिछले कुछ दिनों, महीनों से हम इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के माध्यम से देश मैं कट्टरता, नफ़रत, बुलडोजर, हिजाब, पथरबाज़ी, लाउडस्पीकर, जुलूस पर पथराव, हेट स्पीच, धार्मिक बयानबाजी इत्यादि अनेक वाक्य टीवी चैनलों के माध्यम से, ग्राउंड रिपोर्टिंग के माध्यम से देख, सुन रहे हैं जिससे समाज को ऐसी क्षति होने की संभावना है जिसकी भरपाई करने में शायद हमारे समय, मूल्यवान संपत्ति, संसाधनों और युवा शक्ति का भारी नुकसान होने की संभावना से हम इनकार नहीं किया जा सकता जिसका उपयोग हम नए भारत के नए प्रस्तावित विजनों के लिए उपयोग कर रहे हैं। साथियों बात अगर हम भारत देश की बुनियाद की करें तो अमन-चैन, सौहार्दपूर्ण वातावरण, भाईचारा, धर्मनिरपेक्षता, त्योहारों के साझा उत्सव, विभिन्न अवस्थाओं में संबंधों के बीच अच्छे पड़ोसी वाले संबंध, युगों से हमारे समाज और देश के गौरव पूर्ण विशेषता रही है परंतु बीते कुछ दिनों से एक धार्मिक समुदाय के जुलूस पर मध्य प्रदेश, राजस्थान, गुजरात में पथराव और अब कल दिल्ली में भी एक अन्य धार्मिक जुलूस पर पथराव की घटना से ऐसा प्रतीत हो रहा है कि कुछ संकीर्ण मानसिकता वाले तत्व, भारतीय समाज की नींव और राष्ट्रीयता की समग्र समावेशित समभाव विचारधारा, संस्कृति को कमजोर करने की पहल शुरू करने की तैयारियां हो रही है जिसे हम सब नागरिक एकता कर, आपसी भाईचारा कायम कर, विभिन्नता में एकता, सामाजिक उदारवाद, सौहार्दपूर्ण वातावरण तात्कालिक बनाए रखकर ऐसे तत्वों को पुरजोर जवाब देने के लिए सभी जाति, धर्म, समुदाय विशेष को एक साथ मिलकर उन तत्वों का मुकाबला कर भारत की गौरवशाली प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए तात्कालिक कदम उठाने होंगे जिससे आपसी विश्वास बिल्डिंग को मजबूत और अटूट बनाए रखा जा सकता है। साथियों बातें कर हम 10 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात में एक धार्मिक शोभायात्रा के अवसर पर हुई हिंसा का घाव अभी सूखा भी नहीं था कि राजधानी दिल्ली के जहांगीरपुरी में दिनांक 16 अप्रैल 2022 शाम को धार्मिक शोभायात्रा यात्रा के अवसर पर टीवी चैनलों पर दिखाया गया जमकर हिंसा हुई। हिंसा और उपद्रव में कौन शामिल है, इसका पता नहीं चल पाया है. लेकिन राजधानी में तनाव पसर गया है।उपद्रवियों द्वारा कई गाड़ियों में

तोड़फोड़ कर दी गई है और पुलिस कर्मी भी घायल हुए हैं. जिस समय धार्मिक पर्व पर शोभायात्रा निकाली जा रही थी, तब ये हिंसा शुरू हुई और देखते ही देखते कई गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस पर भी हमला किया गया ऐसा मीडिया में बताया गया। साथियों बात अगर हम विपक्ष के 13 नेताओं के संयुक्त बयान की करें तो उन्होंने अपने संयुक्त बयान में देश में हुई हालिया सांप्रदायिक हिंसा और घृणापूर्ण भाषण संबंधी घटनाओं को लेकर गंभीर चिंता जतायी और लोगों से शांति एवं सद्भाव बनाए रखने की अपील की। इसके साथ ही विपक्षी नेताओं ने इन मुद्दों को लेकर पीएम की चुप्पी पर भी सवाल उठाया हैजिस पर सत्ताधारी प्रवक्ता द्वारा आक्षेप लिया गया ऐसा टीवी चैनलों पर दिखाया गया है। साथियों बात अगर हम माननीय पीएम द्वारा दिनांक 16 अप्रैल 2022 को एक प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधन की करें तो पीआईबी के अनुसार उन्होंने कहा, हमारी सभ्यता और संस्कृति ने हजारों वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद भारत को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। हमारी आस्था, हमारी संस्कृति की धारा सद्भाव की है, समभाव की है, समावेश की है। इसलिए जब बुराई पर अच्छाई को स्थापित करने की बात आई तो प्रभु राम ने सक्षम होते हुए भी, खुद से सब कुछ करने का सामर्थ्यआ होने के बावजूद भी उन्होंने सबका साथ लेने का, सबको जोड़ने का, समाज के हर तबके के लोगों को जोड़ने का, छोटे-बड़े जीवमात्र को, उनकी मदद लेने का और सबको जोड़ करके उन्होंने इस काम को संपन्न किया। और यही तो है सबका साथ, सबका प्रयास। ये सबका साथ, सबका प्रयास का उत्तम प्रमाण प्रभु राम की ये जीवन लीला भी है, जिसके हनुमान जी बहुत अहम सूत्र रहे हैं। सबका प्रयास की इसी भावना से आज़ादी के अमृतकाल को हमें उज्जवल करना है, राष्ट्रीय संकल्पों की सिद्धि के लिए जुटना है। उन्होंने बल देते हुए कहा कि यह हमारी आध्यात्मिक विरासत, संस्कृति और परंपरा की शक्ति है जिसने गुलामी के कठिन दौर में भी अलग-अलग हिस्सों को एकजुट रखा। इसके माध्यम से स्वतंत्रता के लिए राष्ट्रीय प्रतिज्ञा के एकीकृत प्रयासों को मजबूत किया गया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हजारों वर्षों के उतार-चढ़ाव के बावजूद, हमारी सभ्यता और संस्कृति ने भारत को स्थिर रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर उसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि हमारी आस्था, संस्कृति की विचारधारा, सद्भाव, समभाव समावेश की है। देश की बुनियादी नीव, अमन-चैन, सौहार्दपूर्ण वातावरण, भाईचारा तात्कालिक बनाए रखना वर्तमान समय की मांग है।

वामपंथी उग्रवाद की विदाई की ओर भारतः हथियार नहीं, विकास ही अंतिम समाधान

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

भारत में उग्रवाद के कई रूप देखने को मिले हैं, धार्मिक आतंकवाद से लेकर सीमापार प्रायोजित चरमपंथ और वामपंथी अतिवाद तक, लेकिन इन सबमें सबसे लंबे समय तक और भीतर से देश की जड़ों को खोखला करने वाले उग्रवादों में रहा है वामपंथी उग्रवाद, जिसे 'लाल आतंक' या 'नक्सलवाद' के नाम से भी जाना जाता है। बीते दो दशकों में यह समस्या देश के कई राज्यों में गंभीर चुनौती बनी रही है। किंतु केंद्र और राज्यों के संयुक्त प्रयासों, बहुआयामी रणनीतियों और सुरक्षा के साथ-साथ विकास को समान गति से आगे बढ़ाने की नीति ने इस उग्रवाद के खात्मे को निर्णायक मोड़ पर ला दिया है। यहां यह ध्यान देने योग्य है कि देश के संविधान की सातवीं अनुसूची में 'पुलिस' और 'लोक व्यवस्था' को राज्यों का विषय माना गया है, लेकिन वामपंथी उग्रवाद जैसी जटिल समस्या को देखते हुए केंद्र सरकार ने समय-समय पर व्यापक सहयोग की भूमिका निभाई है। वर्ष 2015 में इस दिशा में निर्णायक पहल के रूप में राष्ट्रीय नीति एवं कार्य योजना को मंजूरी दी गई थी, जिसमें चार स्तंभों सुरक्षा, विकास, अधिकारों की रक्षा और पुनर्वास को केंद्र में रखा गया। जिसके बाद इन सभी बिन्दुओं पर गंभीरतापूर्वक कार्य आंरभ होता हुआ देखा जाने लगा। जिसका परिणाम है कि जो 'नक्सलवाद' एक समय देश के लगभग 126 जिलों में फैल चुका था, वह सिमट कर सिर्फ 18 जिलों तक सीमित हो गया। वास्तव में आज केंद्र की मोदी सरकार ने सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने, राज्यों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) बटालियन, खुफिया सूचनाएं, आधुनिक हथियार और प्रशिक्षण जैसे साधनों से सशक्त किया है। विशेष योजनाओं के अंतर्गत सुरक्षा संबंधी व्यय योजना के तहत 3357 करोड़ रुपये राज्यों को दिए गए। विशेष आधारभूत संरचना योजना के तहत 71 किलेबंद पुलिस स्टेशनों का निर्माण हुआ, जो कि सीधे मुठभेड़-प्रवण क्षेत्रों में स्थापित किए गए। यह केवल पुलिस बलों की रक्षा नहीं करते, बल्कि नागरिकों में विश्वास भी जगाते हैं। केंद्र सरकार ने माना कि वामपंथी उग्रवाद का सबसे बड़ा कारण सामाजिक और आर्थिक उपेक्षा रहा है। इसीलिए, आज मोदी सरकार नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, टेलीफोन, शिक्षा, स्वास्थ्य, वित्तीय समावेशन जैसे क्षेत्रों पर विशेष ज़ोर दे रही है। दो प्रमुख योजनाएं, रोड रिक्वायरमेंट प्लान और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई) प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क संपर्क परियोजना (आरसीपीएलडब्ल्यूईए) के तहत 17,589 किलोमीटर सड़क निर्माण की स्वीकृति मिली, जिसमें से अब तक 14,902 किलोमीटर बन चुकी हैं। टेलीकॉम कनेक्टिविटी सुधारने हेतु 10,644 मोबाइल टावरों की योजना बनी, जिनमें से 8640 अब कार्यरत हैं। राज्यों के स्तर पर झारखंड जैसे तीव्र नक्सल प्रभावित राज्य जहाँ कभी संचार व्यवस्था पूरी तरह ठप रहती थी, अब वहाँ 1589 टावर क्रियाशील हैं। इसी तरह युवाओं को हिंसात्मक गतिविधियों से बचाने के लिए सरकार ने आईटीआई और कौशल विकास केंद्रों की स्थापना कर उन्हें हुनरमंद बनाने की ओर कदम बढ़ाया है। अब तक 46 आईटीआई और 49 कौशल विकास केंद्र संचालित हैं। जनजातीय क्षेत्रों में 258 एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालयों को मंजूरी दी गई, जिससे कि आदिवासी बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। इनमें से 179 स्कूल पहले ही चालू हो चुके हैं। कोई भी शासन व्यवस्था क्यों न हो, विकास की असली बुनियाद तब बनती है जब नागरिकों को वित्तीय अधिकार मिले हों। वामपंथी उग्रवादियों को मुख्यधारा में शामिल करने के लिए केंद्र व राज्यों की अपनी आत्मसमर्पण सह पुनर्वास नीतियां हैं। आत्मसमर्पण करने वाले अति उग्रवादियों को पांच लाख, अन्य वामपंथी उग्रवादी कैडरों के लिए ढाई लाख रुपये तत्काल दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त तीन वर्षों के लिए 10,000 रुपये के मासिक वृत्ति के साथ उनकी रुचि के व्यापार/व्यवसाय में प्रशिक्षण दिए जाने का भी प्रावधान है। कुल मिलाकर आत्म निर्भरता तक की वित्तीय सहायता, हथियारों के आत्मसमर्पण पर प्रोत्साहन, मासिक वृत्ति, और व्यवसाय में प्रशिक्षण जैसे कई विकल्प दिए गए हैं। राज्यों को आत्मसमर्पण सह पुनर्वास की बेहतर नीतियां अपनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया है। इसके पीछे मंशा यही है कि जो युवा बंदूक उठा चुके हैं, वे मुख्यधारा में लौटकर सम्मानपूर्वक जीवन जी पाएं। आज इन नीतियों के दृढ़तापूर्वक क्रियान्वयन से वामपंथी हिंसा में लगातार कमी आई है और वामपंथ का विस्तार सीमित हुआ है। केंद्र एवं राज्यों सरकारों के प्रयासों का यह भी परिणाम दिखाई देता है कि 2016 के बाद से नक्सली नेतृत्व में स्पष्ट दरारें दिखीं, जिसके कारण से तेलंगाना और आंध्र प्रदेश की सीमाओं से माओवादी पूरी तरह बेदखल किए जा चुके हैं। छत्तीसगढ़ और झारखंड में भी अनेकों शीर्ष माओवादी मारे गए या गिरफ्तार हुए हैं। माओवादियों का आंतरिक नेटवर्क, चाहे वह हथियारों की आपूर्ति हो, शहरी नक्सल नेटवर्क या विचारधारात्मक प्रचार, आज सभी ध्वस्त होने लगे हैं । सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सटीक खुफिया अभियानों के कारण बड़े नेताओं जैसे गणपति, माधवी, सुनंदा, नवीन जैसे शीर्ष माओवादियों का खात्मा हुआ है। साथ ही 'शहरी नेटवर्क' के खिलाफ शुरू हुए अभियानों ने बौद्धिक और कानूनी परिधि में छिपे समर्थकों को भी बेनकाब किया जाना जारी है । आज जब हम 2025 का आधा साल बिताकर खड़े हैं, तब उस समय में यह स्पष्ट दिखता है कि वामपंथी उग्रवाद अब भारत की प्रमुख सुरक्षा चुनौती नहीं रह गया। झारखंड, छत्तीसगढ़ और ओडिशा जैसे राज्यों में जो सफल प्रयोग हुए हैं, उन्हें अब मॉडल के रूप में पूरे देश में लागू करने की आवश्यकता है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि वर्ष 2014 के बाद वामपंथी उग्रवाद पर लगाम लगाने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका राजनीतिक इच्छाशक्ति की रही है। जहाँ पहले इससे जुड़ी रणनीतियां संकोच, विरोधाभास और सीमित प्रभाव की शिकार रहती थीं, अब पूरे देश में एकीकृत सोच और दिशा के साथ कार्रवाई हुई है। गृह मंत्रालय, राज्य पुलिस, अर्धसैनिक बल और स्थानीय प्रशासन का सामंजस्य बनाना आसान नहीं था, किंतु यह गृहमंत्री अमित शाह के प्रयासों से संभव हुआ है। इसीलिए आज नक्सल हिंसा में पूर्व की तुलना में 85 प्रतिशत से अधकि की कमी आई है । गृहमंत्री अमित शाह का संकल्प वर्ष 2026 तक नक्सलवाद को भारत से समाप्त कर देना है। कहना होगा कि नक्सलवाद भारत के लोकतंत्र की सबसे लंबी और कठिन परीक्षा रही है। इस संघर्ष में हमने हजारों पुलिसकर्मियों, सीआरपीएफ जवानों, राजनेताओं, ग्रामीणों और शिक्षकों को खोया है।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे, धन लाभ के नए स्रोत नजर आ सकते हैं। आज बिजनेस में उत्साह के साथ आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा, आप से प्रतिस्पर्धा करने वालों को कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ सकती है। किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात हो सकती है, जिससे आपको भविष्य में बड़े फायदे हो सकते हैं।

वृष राशिः आपके दिन की शुरुआत अच्छी होने वाली है। परिवार में सुख समृद्धि का वातावरण रहेगा। आज पराक्रम और धैर्य की वृद्धि होगी। रोजगार में आपको बड़े मौके मिलेंगे, जिनका लाभ उठाकर आप बढ़िया धन कमायेंगे। किसी सोचे हुए काम की शुरुआत आज करेंगे। बेटे को सफलता मिलने से ख़ुशी का माहौल बनेगा। आपका दांपत्य जीवन सौहार्द से भरा रहेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन उत्साह से भरपूर रहेगा। दैनिक जीवन की गतिविधियां अच्छी चलेंगी। आपका मन काम में लगा रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर दर्शन के लिए जायेंगे। इस राशि के विवाहित जातकों के लिए आज का दिन काफी अच्छा है। रचनात्मक काम से आपको धन लाभ होगा।

कर्क राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज सारा काम आपके हिसाब से होगा, आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको फायदा हो सकता है। आज भाई बहनों के साथ मौज-मस्ती करेंगे, बाहर घूमने जायेंगे। आज स्वास्थ्य ठीक रहेगा, आपके जरूरी कार्य बनेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों की सौगात लेकर आया है। आप खुद को ऊर्जा से भरा महसूस करेंगे। आज आप जिस काम को करेंगे वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन अच्छा है।

कन्या राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। आज आपके व्यापारिक मामले में किसी अनुभवी व्यक्ति का साथ मिलेगा। रुका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो फायदा हो सकता है। पेंडिंग कार्यों को पूरा करने के लिए अधिक फोकस करना चाहिए, जितना जल्दी हो सके काम को पूरा करने पर ध्यान दें। जीवनसाथी के साथ डिनर करने बाहर जायेंगे इस राशि के कंप्यूटर स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए बेहद खास है। प्राइवेट ऑफिस में कार्यरत व्यक्तियों को आज पदोन्नति के अवसर प्राप्त होंगे। छात्र आज अपनी पढाई पर अच्छे से फोकस करेंगे, सीनियर्स का साथ मिलेगा। कपड़ा व्यापारियों को अधिक धन लाभ से मन प्रसन्न रहेगा। वैवाहिक जीवन में सुख सौहार्द की बढ़ोतरी होगी, परिवार में सम्पन्नता रहेगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए शुभ है। आज व्यापार में आपको बढ़िया लाभ मिलेगा। आज नौकरी करने वाले लोगों को पदोन्नति मिलने से ख़ुशी होगी। नया वाहन लेने का विचार परिवार जनों से करेंगे। सरकारी कर्मचारियों को प्रमोशन मिलने के चांस बन रहे हैं। पारिवारिक सुख सौहार्द बना रहेगा, संतान से सुख मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। ऑटोमोबाइल कम्पनी में काम करने वाले व्यक्तियों को आज आर्थिक लाभ होगा। लवमेट अपने रिश्ते की बात घरवालों से करेंगे, परिवार का सहयोग मिलेगा। आज ससुराल पक्ष से मांगलिक आयोजन की सूचना मिल सकती है, जिसमें आप शामिल होंगे। आज आपको कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

मकर राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा, घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य बना रहेगा। रोजमर्रा के कामों में व्यस्तता बनी रहेगी, कारोबार में रुका हुआ पैसा वापस मिल सकता है। आज आप बाहर घूमने जायेंगे और कुछ नए दोस्त बनायेंगे, जो किसी काम में आपकी हेल्प करेंगे।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन नया बदलाव लाने वाला है। आज व्यापारिक गतिविधियों में आपको बड़ी सफलता मिलेगी। कोर्ट-कचहरी का फैसला आज आपके पक्ष में आ सकता है। आज घरेलू जरूरत की चीजों की खरीददारी हो सकती है। आज आप परिवार के साथ कहीं पिकनिक मनाने जा सकते है। आप जो भी काम करने की सोचेंगे, उसे लेकर पॉजिटिव नजरिया रखने से सब काम अच्छे से होंगे।

मीन राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपको व्यापार में बढ़िया धन लाभ होगा, भौतिक सुख – सुविधाओं की बढ़ोतरी होगी। छात्र आज किसी खेल प्रतियोगिता में हिस्सा ले सकते हैं। इस राशि के जॉब कर रहे लोगों के लिए अच्छे ऑफर्स आने के योग बन रहे हैं। घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आज आपको खुशी मिल सकती है।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एशिया कप में बुमराह के खेलने की संभावना नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा का मानना है कि भारतीय टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह एशिया कप नहीं खेल पाये। एशिया कप 9 से 28 सितंबर तक यूएई में टी20 प्रारुप में खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट की मेजबानी भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) के पास है पर इसका आयोजन तटस्थ स्थल के रुप में यूएई रखा गया है। इस टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम की घोषणा अगस्त के मध्य में होने की संभावना है। चोपड़ा के अनुसार बुमराह की उपलब्धता एशिया कप के लिए पक्की नहीं है। उन्होंने कहा, बुमराह अगर उपलब्ध हैं तो मेरा मानना है कि उन्हें एशिया कप खेलना चाहिए। यह देखना होगा कि किस तरह की टीम चुनी जाती है पर यह पिछली बार चुनी गई टी20 टीम से बहुत अलग नहीं होगी। चोपड़ा ने यह भी कहा कि अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को उनकी फिटनेस समस्याओं के कारण टूर्नामेंट के लिए शायद ही शामिल किया जाएगा। उन्होंने साथ ही कहा, मेरा मानना है कि शमी इसमें शामिल नहीं होंगे, क्योंकि शमी को केवल उनकी फिटनेस परखने और चैंपियंस ट्रॉफी के लिए तैयार करने के लिए ही आखिरी बार टी20 टीम में शामिल किया गया था। अब जबकि टीम तय हो गयी है और ऐसे में अगर वह टेस्ट मैचों में नहीं खेलते हैं, तो मेरा मानना है कि टी20 क्रिकेट भी नहीं खेलेंगे।

प्रीमियर लीगः मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बोर्नमाउथ को 4-1 से हराया; वेस्ट हैम ने एवर्टन को 2-1 से दी मात

शिकागो। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग समर सीरीज़ के तहत भारतीय समयानुसार गुरुवार को शिकागो के सोल्जर फील्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बोर्नमाउथ को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। रुबेन आमोरिम की टीम की ओर से रासमुस होयलुंड, पैट्रिक डॉर्गू, अमाद डायलो और युवा खिलाड़ी ईथन विलियम्स ने गोल दागे। यूनाइटेड ने इससे पहले शनिवार को वेस्ट हैम को 2-1 से हराया था। बारिश और तेज हवाओं के बीच खेले गए मुकाबले में यूनाइटेड ने आठवें ही मिनट में बढ़त बना ली जब डॉर्गू के शानदार क्रॉस पर होयलुंड ने हेडर से गोल किया। 25वें मिनट में डॉर्गू ने खुद गोल कर यूनाइटेड की बढ़त 2-0 कर दी। मेसन माउंट की फ्री-किक पर गेंद को कंट्रोल कर उन्होंने बोर्नमाउथ के गोलकीपर डर्जोज पेट्रोविच को छकाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाया। दूसरे हाफ के 53वें मिनट में अमाद डायलो ने तीसरा गोल किया। फिर 70वें मिनट में Amorim ने नौ बदलाव किए और इसके दो मिनट बाद ही सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी ईथन विलियम्स ने लो शॉट के जरिए चौथा गोल किया। हालांकि 88वें मिनट में यूनाइटेड के लिए एकमात्र निगेटिव पल तब आया जब डिफेंडर माथायस डी लिट ने आत्मघाती गोल कर दिया, जिससे स्कोर 4-1 हुआ।

वेस्ट हैम ने एवर्टन को हराया- दिन के दूसरे मुकाबले में वेस्ट हैम ने पिछड़ने के बावजूद दमदार वापसी करते हुए एवर्टन को 2-1 से शिकस्त दी। एवर्टन के लिए इद्रिसा गुये ने 17वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लुकास पकेटा ने बराबरी का गोल दागा। फिर जर्मनी के निक्लास फुल्क्रुग ने 64वें मिनट में गोल कर वेस्ट हैम को निर्णायक बढ़त दिला दी। एवर्टन के लिए यह प्री-सीजन में लगातार दूसरी हार रही। इससे पहले उन्हें बोर्नमाउथ के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था। मैच के बाद एवर्टन के कोच डेविड मोयस ने कहा, "मैं ज्यादा चिंतित नहीं हूं क्योंकि मेरे पास वो खिलाड़ी ही नहीं हैं जिनकी मुझे जरूरत है।

लीग्स कप 2025: मेसी के दो असिस्ट से इंटर मियामी ने एटलस को 2-1 से हराया

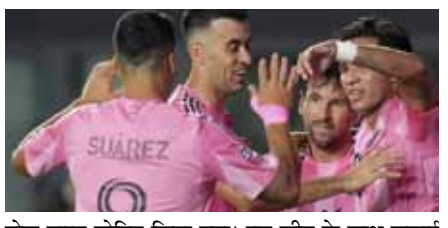

मियामी गार्डेंस (फ्लोरिडा)। इंटर मियामी के सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने दो शानदार असिस्ट करते हुए अपनी टीम को लीग्स कप 2025 के पहले मुकाबले में बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को एटलस के खिलाफ 2-1 की रोमांचक जीत दिलाई। यह मेसी का पहला मैच था, जब वह और उनके साथी खिलाड़ी जोर्डी अल्बा, एमएलएस ऑल-स्टार गेम में शामिल न होने के कारण लगे एक मैच के निलंबन के बाद मैदान में लौटे। मेसी ने मुकाबले के अंतिम सेकंडों में मार्सेलो वाइगांट को निर्णायक गोल के लिए असिस्ट किया, जिसने इंटर मियामी को जीत दिलाई। मैच का पहला गोल 58वें मिनट में आया, जब मेसी ने टेलास्को सेगोविया को पास देकर स्कोरिंग का खाता खोला। इसके बाद एटलस के लिए 82वें मिनट में रिवाल्डो लोज़ानो ने बराबरी का गोल किया। हालांकि, 96वें मिनट में वाइगांट ने निर्णायक गोल दागा, जिसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की पुष्टि के बाद गोल मान्य घोषित किया गया। इस जीत के साथ जुलाई में मेसी के कुल पांच असिस्ट हो गए हैं। उन्होंने इस महीने आठ गोल भी किए, जिसके चलते उन्हें "मेजर लीग सॉकर प्लेयर ऑफ द मंथ" चुना गया। इस दौरान इंटर मियामी ने एमएलएस में 4 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ दर्ज किया। पहले हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन गोल नहीं कर पाए। मियामी के गोलकीपर रोको रियोज़ नोवो ने पहले हाफ में तीन बेहतरीन बचाव किए, जिनमें एक मौके पर उन्होंने एडुआर्डो एग्विरे के हेडर को शानदार तरीके से रोका।

एशिया कप से पहले अगस्त में श्रीलंका से सीरीज खेल सकती है भारतीय टीम

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर हैं। वहीं 9 सितंबर से एशिया कप का आयोजन शुरू होगा। ऐसे में एशिया कप की तैयारी के लिए भारतीय टीम श्रीलंका के खिलाफ सीमित ओवरों की एक सीरीज खेल सकती है। भारत का एशिया कप का पहला मैच 10 सितंबर को है जबकि दूसरा मैच पाकिस्तान के खिलाफ 14 सिंतबर को है। भारत को अगस्त में पहले बांग्लादेश टीम के साथ 3 एकदिवसीय और 3 टी20 मैचों की सीरीज खेलनी थी जो अब नहीं खेली जाएगी पर इसकी जगह भारतीय टीम श्रीलंका से एक सीरीज खेल सकती है हालांकि अभी इसके बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार (बीसीसीआई) अगस्त में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का आयोजन इसलिए भी करना चाहता है ताकि एशिया कप से पहले टीम को लय में आने का अवसर मिल सके। ऐसे में श्रीलंका के साथ तीन एकदिवसीय और इतने ही टी20 मैचों की सीरीज होने की उम्मीद बढ़ गयी हैं। इससे रोहित शर्मा और विराट कोहली के प्रशंसकों को अपने इन पसंदीदा खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिल सकेगा।

पीकेएल सीज़न 12 की शुरुआत 29 अगस्त से, विशाखापत्तनम, जयपुर, चेन्नई और दिल्ली होंगे मेज़बान शहर

मुंबई। प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 की शुरुआत इस बार 29 अगस्त 2025 से होने जा रही है। चार शहरों विशाखापत्तनम (विजाग), जयपुर, चेन्नई और दिल्ली में फैले इस बहु-शहर प्रारूप में देशभर के दर्शकों को बेहतरीन कबड्डी एक्शन देखने को मिलेगा। ओपनिंग वीकेंड का शेड्यूलः पहला मुकाबला शुक्रवार, 29 अगस्त को विजाग के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगु टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच खेला जाएगा। इसके बाद दूसरे मुकाबले में बेंगलुरु बुल्स का सामना पुनेरी पलटन से होगा। शनिवार, 30 अगस्त को तेलुगु टाइटंस एक बार फिर मैदान में उतरेंगे और इस बार उनका मुकाबला यूपी योद्धाज से होगा। वहीं, दूसरे मैच में यू मुंबा और गुजरात जायंट्स आमने-सामने होंगे। रविवार को 'सुपर संडे' के तहत तमिल थलाइवाज और यू मुंबा के बीच मुकाबला होगा, जिसके बाद गत चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स अपनी खिताबी रक्षा की शुरुआत बंगाल वॉरियर्ज के खिलाफ करेंगे।

विजाग की घर वापसीः पीकेएल सीज़न 12 के लिए विजाग की वापसी एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह शहर सात वर्षों बाद फिर से लीग की मेज़बानी कर रहा है। विजाग ने पहली, तीसरी और छठी सीज़न में भी पीकेएल की मेज़बानी की थी।

जयपुरः 12 सितंबर से जयपुर के एसएमएस स्टेडियम के इंडोर हॉल में मुकाबले शुरू होंगे, जिसमें जयपुर पिंक पैंथर्स का सामना बेंगलुरु बुल्स से होगा। इसके बाद तमिल थलाइवाज और बंगाल वॉरियर्ज के बीच टक्कर देखने को मिलेगी।

चेन्नईः 29 सितंबर से चेन्नई के एसडीएटी मल्टीपर्पज़ इंडोर स्टेडियम में मुकाबले खेले जाएंगे। इस चरण में यूपी योद्धाज का सामना गुजरात जायंट्स से, और दबंग दिल्ली केसी का मुकाबला हरियाणा स्टीलर्स से होगा, जहां नवीन कुमार अपनी पूर्व टीम के खिलाफ खेलते नज़र आएंगे।

दिल्लीः लीग स्टेज का अंतिम चरण 13 अक्टूबर से दिल्ली के त्यागराज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में शुरू होगा। इस चरण में पटना पाइरेट्स बनाम हरियाणा स्टीलर्स और यू मुंबा बनाम यूपी योद्धाज के मुकाबले प्रमुख रहेंगे।

ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए घोषित की टीम

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अगले महीने खेली जाने वाली टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए कप्तान मिचेल मार्श की टीम में बल्लेबाज ट्रैविस हेड और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड को भी शामिल किया है पर तेज गेंदबाज पैट कमिंस को इस सीरीज के लिए शामिल नहीं किया गया है। इस बार एकदिवसीय टीम में एक नए खिलाड़ी मिच ओवेन को भी जगह मिली है। ओवेन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज में अच्छा प्रदर्शन किया था। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने 14-14 सदस्यीय टीम टी20 और एकदिवसीय सीरीज के लिए चुनी है।

मिचेल मार्श दोनो ही प्रारुपों की कप्तानी संभालेंगे- 10 अगस्त से टी20 सीरीज खेली जाएगी जबकि 24 अगस्त को अंतिम एकदिवसीय के साथ ही ये सीमित ओवरों की सीरीज समाप्त होगी। इस टीम में ऑलराउंडर मैट शॉर्ट को भी जगह मिली है। ओवेन इस सीरीज से एकदिवसीय में पदार्पण कर सकते हैं। इसके अलावा सीन एबॉट, जेक फ्रेजर-मैकगर्क, तनवीर संघा, कूपर कोनोली और आरोन हार्डी का भी टीम से बाहर कर दिया गया है। टीम के मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने कहा है कि टीम अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले टी20 विश्व कप की तैयारी जारी रखेगी।

टी20 टीमः मिचेल मार्श (कप्तान), सीन एबॉट, टिम डेविड, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैट कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

एकदिवसीय : मिचेल मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, एलेक्स कैरी, बेन ड्वार्शुइस, नाथन एलिस, कैमरोन ग्रीन, जोश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, लांस मॉरिस, मिचेल ओवेन, मैथ्यू शॉर्ट और एडम जैम्पा

व्यापार

जबरदस्त उतार-चढ़ाव के बाद गिरा घरेलू शेयर बाजार, निवेशकों को लगी 2.59 लाख करोड़ की चपत

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज जबरदस्त उतार-चढ़ाव का गवाह बना। आज के कारोबार की शुरुआत बड़ी गिरावट के साथ हुई थी। दिन के पहले सत्र में लगातार दबाव बना रहा, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली करके शेयर बाजार को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सेंसेक्स निचले स्तर से 1,100 अंक से अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी निचले स्तर से 320 अंक से अधिक की छलांग लगाने में सफल रहा। हालांकि मंथली एक्सपायरी की वजह से आखिरी 1 घंटे के कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक एक बार फिर लाल निशान में गिर गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.36 प्रतिशत और निफ्टी 0.35 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान फार्मास्यूटिकल, ऑयल एंड गैस और मेटल सेक्टर के शेयरों में जम कर बिकवाली होती रही। इसी तरह पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज, एनर्जी, इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग, आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल और टेक इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। दूसरी ओर, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में आज खरीदारी होती रही। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार बिकवाली होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.85 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में ढाई लाख करोड़ रुपये से अधिक की कमी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 449.70 लाख करोड़ रुपये (अनंतिम) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 452.29 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 2.59 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,153 शेयरों में एक्टिव ट्रेडगि हुई। इनमें 1,606 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,411 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 136 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,658 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 872 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,786 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 8 शेयर बढ़त के साथ और 22 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 13 शेयर हरे निशान में और 37 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 786.36 अंक की कमजोरी के साथ 80,695.50 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के बाद से ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होना शुरू हो गया। दोपहर 12 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली और तेज कर दी, जिसकी वजह से दोपहर 2 बजे के करीब सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 1,108.12 अंक उछल कर 321.41 अंक की मजबूती के साथ 81,803.27 अंक तक पहुंच गया। हालांकि ये तेजी अधिक देर तक टिक नहीं सकी। इसके बाद मंथली एक्सपायरी की वजह से बाजार में बिकवाली शुरू हो गई, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। बिकवाली के दबाव में सेंसेक्स ऊपरी स्तर से 617.69 अंक टूट कर 296.28 अंक की कमजोरी के साथ 81,185.58 अंक के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 212.80 अंक फिसल कर 24,642.25 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की स्थिति में भी सुधार होने लगा। दोपहर 12 के बजे के बाद खरीदारी और तेज हो गई, जिसके कारण अगले 2 घंटे में ही निफ्टी निचले स्तर से 321.50 अंक उछल कर 101.45 अंक की तेजी के साथ 24,956.50 अंक तक पहुंच गया। इसके बाद बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में भी गिरावट आ गई। लगातार हो रही बिकवाली के कारण निफ्टी दिन के ऊपरी स्तर से 188.15 अंक फिसल कर 86.70 अंक की कमजोरी के साथ 24,768.35 अंक के स्तर पर बंद हुआ। आज दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर 3.44 प्रतिशत, जियो फाइनेंशियल 2.79 प्रतिशत, एटरनल 1.43 प्रतिशत, आईटीसी 1.07 प्रतिशत और जेएसडब्ल्यू स्टील एक प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, अदानी एंटरप्राइजेज 4.03 प्रतिशत, टाटा स्टील 2.12 प्रतिशत, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज 1.69 प्रतिशत, सन फार्मास्यूटिकल्स 1.56 प्रतिशत और अदानी पोर्ट्स 1.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

स्टॉक मार्केट में ब्रिगेड होटल वेंचर्स की कमजोर शुरुआत, आईपीओ निवेशकों को 5 प्रतिशत से ज्यादा का नुकसान

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग शहरों में होटल बनाने वाली रियल एस्टेट डेवलपर कंपनी ब्रिगेड होटल वेंचर्स के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में कमजोर एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 90 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई पर इसकी एंट्री 82 रुपये के स्तर पर और एनएसई पर 81.10 रुपये के स्तर पर हुई। इस तरह लिस्टिंग के साथ ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को करीब 9 प्रतिशत का नुकसान हो गया। हालांकि, लिस्टिंग के बाद लिवाली शुरू हो जाने के कारण कंपनी के शेयर उछल कर 87.80 रुपये के स्तर तक भी पहुंचे। पूरे दिन के कारोबार के बाद ब्रिगेड होटल वेंचर्स के शेयर 85.40 रुपये के स्तर पर बंद हुए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को 5.11 प्रतिशत का नुकसान हो गया है। ब्रिगेड होटल वेंचर्स का 759.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 24 से 28 जुलाई के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 4.76 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 5.74 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.03 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 6.83 गुना और एंप्लॉयीज के लिए रिजर्व पोर्शन 0.99 गुना सब्सक्राइब हुए थे। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 8.44 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपने पुराने कर्ज को चुकाने, प्रमोटर कंपनी बीईएल से जमीन खरीदने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें तो प्रॉस्पेक्टस में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 3.09 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, लेकिन अगले वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी मुनाफे में आ गई। इस साल कंपनी को 13.14 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ, जबकि 2024-25 में शुद्ध लाभ उछल कर 23.66 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इस दौरान कंपनी का राजस्व 14 प्रतिशत वार्षिक से अधिक की चक्रवृद्धि दर (कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट) से बढ़ कर 470.68 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया।

आरबीआई की एमपीसी बैठक 4 से 6 अगस्त के बीच, रेपो रेट यथावत रहने की संभावना

नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त के बीच होने वाली है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा बैठक में लिए जाने वाले फैसलों की घोषणा 6 अगस्त को करेंगे। अर्थशास्त्रियों ने बैठक में रेपो रेट 5.50 फीसदी पर अपरिवर्तित रहने की संभावना जताई है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अमेरिका की 25 फीसदी नए टैरिफ की घोषणा के बावजूद रिजर्व बैंक अगस्त की मौद्रिक नीति समिति की समीक्षा बैठक में नीतिगत दरों में कोई बदलाव नहीं करेगा। आरबीआई समीक्षा बैठक में रेपो रेट को 5.5 फीसदी पर अपरिवर्तित रख सकता है। आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता में होने वाली एमपीसी की यह समीक्षा बैठक 4-6 अगस्त तक चलेगी। आरबीआई ने यह बैठक पहले 5-7 अगस्त के लिए निर्धारित थी। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा की अध्यक्षता वाली एमपीसी ने फरवरी, 2025 से लेकर अभी तक रेपो रेट में कुल मिलाकर 100 आधार अंकों यानी एक फीसदी की कटौती की है। इससे पहले फरवरी और अप्रैल में 25 आधार अंकों की कटौती की गई थी। आरबीआई ने पहली और दूसरी एमपीसी समीक्षा बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी और तीसरी बार यानी जून में 0.50 फीसदी की कटौती की थी, जो अभी 5.50 फीसदी है।

सर्राफा बाजार में मामूली तेजी, सोना और चांदी की बढ़ी कीमत

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज मामूली तेजी का रुख नजर आ रहा है। कीमत में उछाल के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 1,00,490 रुपये से लेकर 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 92,110 रुपये से लेकर 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोने की तरह चांदी के भाव में भी तेजी आने के कारण कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,17,100 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,00,540 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 92,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 92,110 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,110 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,00,540 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 92,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,00,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 92,260 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 1,00,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मारुति सुजुकी का पहली तिमाही में मुनाफा मामूली बढ़कर 3,792 करोड़ रुपये

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही के नतीजे का ऐलान कर दिया है। 30 जून को समाप्त (अप्रैल-जून) तिमाही में एमएसआई का एकीकृत शुद्ध लाभ मामूली वृद्धि के साथ 3,792 करोड़ रुपये रहा है। एमएसआई ने गुरुवार को स्टॉक एक्सचेंज को रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ सालाना आधार पर मामूली 0.9 फीसदी वृद्धि के साथ 3,792 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले वित्त वर्ष 2024-25 की अप्रैल-जून में 3,760 करोड़ रुपये रही थी। चालू वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 8 फीसदी से उछलकर 38605 करोड़ रुपये पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 35779 करोड़ रुपये रहा था। मारुति सुजुकी ने बताया कि इस बार के अप्रैल-जून तिमाही में कंपनी की ब्रिकी सालाना आधार पर 1 फीसदी की बढ़त के साथ 527861 इकाई के स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वित्त वर्ष के इसी अवधि में 521868 इकाई पर था। कंपनी का शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सेचंज (बीएसई) पर 0.096 फीसदी बढ़कर 12,634.45 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुआ है।

सिद्धार्थ-जाह्नवी की परम सुंदरी की नई रिलीज डेट का ऐलान, फिल्म का मोशन पोस्टर भी आया सामने

जल्द ही कई नई जोड़ियां फिल्मों में नजर आएंगी। इन्हीं में से एक है सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की जोड़ी, जो फिल्म परम सुंदरी में दिखने वाली है। यह पहले बीती 25 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अजय देवगन की फिल्म सन ऑफ सरदार 2 से बचने के लिए फिल्म को रिलीज टाल दी गई। हालांकि, ये नहीं बताया कि फिल्म पर्दे पर कब आएगी और अब इसकी नई रिलीज तारीख का ऐलान भी हो गया है। दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी यह फिल्म अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। प्रोडक्शन हाउस की ओर से सोशल मीडिया पर जारी किए गए फिल्म के नए मोशन पोस्टर के साथ-साथ इसकी रिलीज का ऐलान हुआ है। पोस्ट में लिखा है, दिनेश विजान आपके लिए लेकर आ रहे हैं साल की सबसे बड़ी प्रेम कहानी परम सुंदरी। यह 29 अगस्त को सिनेमाघरों में आ रही है। परम सुंदरी का टीजर मई में आया था। इसमें सिद्धार्थ को उत्तर भारत के लड़के परम और जान्हवी को साउथ की लड़की सुंदरी के रूप में दिखाया गया था। टीजर में सोनू निगम की आवाज में गाने की कुछ लाइनें भी सुनने को मिली थीं। इस टीजर को काफी पसंद किया गया था। इसके सामने आने के बाद फैंस फिल्म के लिए उत्साहित हो उठे थे। हालांकि, अभी इसके पर्दे पर आने के लिए थोड़ा और इंतजार करना होगा। परम सुंदरी का निर्माण दिनेश विजान कर रहे हैं, जो स्त्री 2 और छावा जैसी फिल्मों से पहले ही खूब धमाल मचा चुके हैं। इस फिल्म के निर्देशन की कमान तुषार जलोटा संभाल रहे हैं। सिद्धार्थ और जाह्नवी अभिनीत इस फिल्म की कहानी उत्तर भारत में रहने वाले परम और साउथ की रहने वालीं सुंदरी की है, जिसे एक-दूसरे से प्यार हो जाएगा। फिल्म की पूरी कहानी उन्हीं की प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती नजर आएगी।

चुनौतीपूर्ण है तुम से तुम तक में मीरा का किरदार : डॉली चावला

टीवी एक्ट्रेस डॉली चावला ने अपने नए धारावाहिक 'तुम से तुम तक' में निभाए जा रहे किरदार मीरा के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि यह किरदार उनके वास्तविक जीवन से बिल्कुल अलग है, जिसके कारण इसे निभाना चुनौतीपूर्ण है। डॉली ने बताया, मैं मीरा का किरदार निभा रही हूं, जो आर्या (शरद केलकर) के ऑफिस, खाने और दवाइयों सहित हर चीज का ध्यान रखती है। उसे यह पसंद नहीं कि कोई और आर्या के करीब आए या उसे महत्व दे। अब जब ऑफिस में अनु (निहारिका चौकसे) आई, तो मीरा को जलन हो रही है। वह अपने बॉस के अलावा किसी की नहीं सुनती। उन्होंने कहा, लोगों ने मेरे पिछले हर काम को पसंद किया है और मुझे उम्मीद है कि वे मीरा को भी उतना ही प्यार देंगे, भले ही वे उसके नकारात्मक किरदार को नापसंद करें। हर किरदार चुनौतीपूर्ण होना चाहिए, तभी उसे निभाने में मजा आता है। मीरा मेरे असल व्यक्तित्व से बहुत अलग है और यही इसे रोमांचक बनाता है। इस किरदार को अपनाने में समय लगा, लेकिन मैं इसे लेकर उत्साहित हूं। डॉली ने शो को हां कहने की वजह भी बताई। उन्होंने कहा, जब प्रोडक्शन हाउस से कॉल आया, तो मैं बहुत उत्साहित थी। यह प्रोडक्शन हाउस मेरे लिए परिवार जैसा है। जब उन्होंने मुझे मीरा के किरदार के बारे में बताया, तो मैं खुश हो गई। यह शो सात भाषाओं में पहले से मौजूद है, इसलिए प्रदर्शन का दबाव है, लेकिन हिंदी में इसे बनाना शानदार है। 'तुम से तुम तक, आर्या और अनु के बीच उम्र के अंतर वाले प्रेम की कहानी है। डॉली ने कहा, वास्तविक जीवन में भी उम्र के अंतर वाली प्रेम कहानियां होती हैं। प्यार धीरे-धीरे बढ़ता है।

पुष्पा वाले राशि खन्ना पर लगाएंगे दांव, उस्ताद भगत सिंह में दिखेंगी पवन कल्याण के साथ

साउथ के सुपरस्टार पवन कल्याण की फिल्मों का उनके प्रशंसक बेसब्री से इंतजार करते हैं। पिछले काफी समय से फिल्म उस्ताद भगत सिंह को लेकर सुर्खियों में हैं। आए दिन उनकी इस फिल्म से जुड़ी अलग-अलग जानकारियां सामने आ रही हैं। अब खबर है कि इस फिल्म में साउथ की एक और अदाकारा राशि खन्ना की एंट्री हो गई है। वह फिल्म में पवन के साथ इश्क फरमाती नजर आएंगी। उस्ताद भगत सिंह की शूटिंग जोर-शोर से चल रही है। निर्माता इस महीने के आखिर तक पवन के हिस्से की शूटिंग पूरी करना चाहते हैं। उधर किसिक वाली श्रीलीला इस एक्शन ड्रामा फिल्म की नायिका हैं। स्क्रिप्ट में एक और हीरोइन की जगह है। रिपोर्ट्स मुताबिक, राशि खन्ना का नाम इसके लिए लगभग तय है। राशि पहले साईं धर्म तेज और वरुण तेज के साथ सफल फिल्मों में काम कर चुकी हैं। इस फिल्म का निर्माण पुष्पा वाले मैत्री मूवी मेकर्स कर रहे हैं। फिल्म के संगीत का जिम्मा भी पुष्पा और पुष्पा 2 के संगीतकार देवी श्री प्रसाद पर है। फिल्म उस्ताद भगत सिंह में आशुतोष राणा, गौतमी और नागा महेश भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह एक एक्शन ड्रामा फिल्म होने वाली है, जिसका निर्देशन हरीश शंकर कर रहे हैं। उस्ताद भगत सिंह में पवन एक निडर और विद्रोही पुलिस अधिकारी की भूमिका में अपनी धाक जमाते दिखेंगे। राशि साउथ और हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं, वहीं ओटीटी पर भी सक्रिय हैं। फिल्म मद्रास कैफे से राशि ने बॉलीवुड में कदम रखा था, जिसमें वह जॉन अब्राहम के साथ नजर आईं। इस फिल्म में अपनी सादगी और गंभीरता से उन्होंने अपनी जगह पक्की करने की कोशिश की। 34 साल की राशि को एक ओर जहां शाहिद कपूर के साथ वेब सीरीज फर्जी में देखा गया, वहीं रूद्र में वह अजय देवगन के साथ नजर आईं। पवन साउथ फिल्म इंडस्ट्री के जाने-माने स्टार हैं। उनका असली नाम कोनिडेला कल्याण बाबू हैं। पवन कल्याण को साउथ फिल्म इंडस्ट्री में पावर स्टार के नाम से जाना जाता है। वह साउथ फिल्मों के सुपरस्टार चिरंजीवी के छोटे भाई हैं। उन्होंने अपने फिल्मी सफर की शुरुआत फिल्म अक्कड़ अम्माई लक्कड़ से साल 1996 में की थी। इसके बाद उन्होंने साउथ की कई बड़ी हिट फिल्में दीं। वह राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई सम्मान हासिल कर चुके हैं।

कांतारा 2 की रिलीज से पहले ऋषभ की आगामी फिल्म का एलान, योद्धा की भूमिका में दिखेंगे अभिनेता, फर्स्ट लुक जारी

अश्विन गंगाराजू के निर्देशन में बन रही आगामी ऐतिहासिक-एक्शन ड्रामा फिल्म में ऋषभ शेट्टी शानदार किरदार में नजर आने वाले हैं। इसकी घोषणा खुद मेकर्स ने फिल्म का पोस्टर जारी करते हुए किया है। इस पोस्टर ने दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर एक अलग रोमांच पैदा कर दिया है। फिल्म निर्माताओं ने इंस्टाग्राम पर ऋषभ शेट्टी की आगामी फिल्म का एक पोस्टर रिलीज किया है, जिसके टाइटल की घोषणा अभी नहीं की है। इसमें देखा जा सकता है कि एक योद्धा चेहरे पर कपड़ा बांधे और पीठ पर दो तलवारें लिए हुए दिखाई दे रहा। साथ ही हजारों संख्या में सैनिक रणभूमि में युद्ध करने के लिए आतुर दिखाई दे रहे हैं। इसके अलावा उन सैनिकों का सामना करने के लिए एक तोप और कई बंदूकें दिखाई दे रही हैं। पोस्ट के कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, 'सभी विद्रोही युद्ध में नहीं गढ़े जाते। कुछ को भाग्य द्वारा चुना जाता है और यह एक विद्रोही की कहानी है। इसके आगे मेकर्स ने लिखा उन्हें यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि इस प्रोडक्शन की 36वीं फिल्म का हिस्सा शानदार अभिनेता ऋषभ शेट्टी होंगे। ऋषभ शेट्टी अभिनीत इस आगामी फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट बैनर के तले किया जाएगा। इसके साथ ही फिल्म को तेलुगु और कन्नड़ दोनों भाषाओं में एक साथ शूट किया जाएगा और मेकर्स इसे तेलुगु, तमिल, कन्नड़, हिंदी और मलयालम सहित कई भाषाओं में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। अश्विन गंगाराजू द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी 18वीं सदी के बंगाल की पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। ऋषभ शेट्टी की फिल्मों की बात करें, तो अभिनेता इस समय अपनी आगामी फिल्म कांतारा चैप्टर 1 की तैयारियों में व्यस्त हैं, जो जल्द सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। यह फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को थिएटर्स में रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन खुद ऋषभ शेट्टी ने ही किया है। वहीं इस फिल्म का निर्माण विजय किरागांदुर द्वारा किया जा रहा है और इसे होमबेल फिल्म्स का सहयोग प्राप्त है।

बारिश के मौसम में डेटिंग के लिए बेकरार दिखीं ईशा मालवीय, बोलीं- बदल गया है जमाना, अब असली मजा

टीवी एक्ट्रेस ईशा मालवीय अक्सर अपने पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ को लेकर चर्चा में रहती हैं। अब अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा, जिसमें उन्हें डेटिंग के लिए बेकरार देखा जा सकता है। इस पर यूजर्स प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। चलिए देखते हैं वायरल वीडियो। ईशा मालवीय जिन्होंने बिग बॉस 17 से काफी प्रसिद्धि पाई थी। अभिनेत्री का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है, जिसमें उन्हें गोल्डन मोतियों से सजी हुई ड्रेस पहने देखा जा सकता है। वीडियो में एक्ट्रेस पैपराजी से बात करती हुई नजर आ रही हैं। ईशा ने कहा, टपरी पे ही तो मजा है, गया वो स्टारबक्स वाला जमाना। इसके जवाब में पैप्स में ने कहा कि पड़ोस में ही एक एक टपरी है और बारिश में वहां चाय पीने में बहुत मजा आता है। इसके बाद अभिनेत्री ने कहा कि आजतक वह एक भी डेट पर नहीं गई है। फिर पैप्स ने जवाब दिया की उनकी पहली डेट मीडिया वालों के साथ होगी। इस वीडियो के वायरल होते ही नेटिंजस की प्रतिक्रियाएं आने लगी हैं। एक यूजर ने कहा कि कितनों के साथ डेट करेंगी ये। दूसरे यूजर ने बोला कि उनकी ड्रेस उन्हें बेहद पसंद आ रही है। वहीं एक और यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा कि क्यूटी पाई ईशा। इसके अलावा एक अन्यू यूजर ने कहा कि टपरी वाली चाय का आनंद ही अलग होता है। ईशा मालवीय को उड़ारिया धारावाहिक से काफी पहचान मिली। इसके अलावा एक्ट्रेस ने कई म्यूजिक वीडियोज में भी काम किया है। अभिनेत्री बिग बॉस 17 में भी नजर आई थीं।

सैयारा बनी सबसे कमाऊ लव स्टोरी फिल्म, लिस्ट में शाहरुख-शाहिद समेत सबकी फिल्मों को पछाड़ा

सैयारा ने अपनी रिलीज के 12 दिन पूरे कर लिए हैं. फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 400 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है. अहान पांडे और अनीत पड्डा की इस लव स्टोरी फिल्म ने नौजवानों पर अलग ही जादू कर दिया है,. जिसे देखो वो सैयारा बनकर घूम रहा है. चारों तरफ बस सैयारा की ही चर्चा हो रही है. फिल्म की हाइप बढ़ने से इसकी कमाई में भी बढ़ोतरी हो रही है. यशराज बैनर तले बनी फिल्म ने अब बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है. मोहित सूरी के डायरेक्शन में बनी फिल्म सैयारा हिंदी सिनेमा की पहली ऐसी लव-स्टोरी फिल्म बन गई है, जिसने अब तक सबसे ज्यादा कलेक्शन किया है. बात करेंगे उन हिंदी सिनेमा में बनी उन हाईएस्ट ग्रॉसिंग लव स्टोरी फिल्में की जिनकी कमाई का रिकॉर्ड सैयारा ने ढेर कर दिया है. फिल्म मेकर्स ने सैयारा की कमाई की ऑफिशियल आंकड़ा जारी किया है. फिल्म की कमाई की बात करें तो इसमें वर्ल्डवाइड 404 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन कर लिया है. भारत में फिल्म का कलेक्शन 318 करोड़ रुपये का ग्रॉस और 260.25 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन कर लिया है. फिल्म ने ओवरसीज में 86 करोड़ रुपये कमा लिए हैं. मेकर्स ने बताया है कि सैयारा इंडियन सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली लव-स्टोरी फिल्म बन गई है. इसी के साथ मेकर्स ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा है, सैयारा हर किसी के दिल को छू रही है, सैयारा. इस फिल्म की कहानी की नायिका वाणी बत्रा (अनीत पड्डा) हैं, जिनका दिल टूट चुका है और हीरो हैं कृष कपूर (अहान पांडे) जो अपने सपने जोड़ने निकले हैं। फिल्म दोनों की दर्दभरी प्रेम कहानी के इर्द-गिर्द घूमती है। इस फिल्म के जरिए चंकी पांडे के भतीजे अहान पांडे ने अभिनय की दुनिया में कदम रखा है, वहीं बतौर लीड हीरोइन अनीत पड्डा की भी यह पहली फिल्म है। सैयारा को बनाने में 45 करोड़ रुपये लगे हैं।

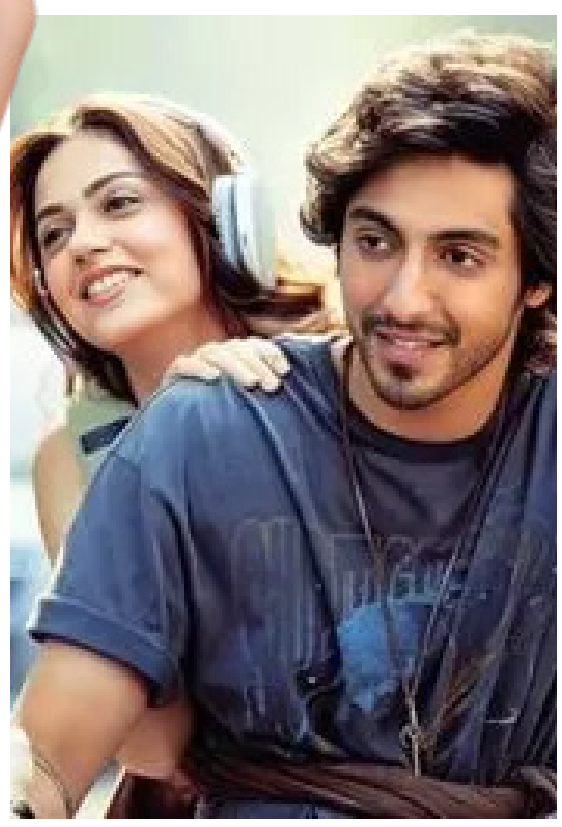

Supreme Court directs Telangana Speaker to take decision in 90 days on BRS MLAs who joined Congress

New Delhi, The Supreme Court on Thursday directed the Telangana Assembly Speaker to decide within three months on the petitions seeking disqualification of 10 BRS MLAs who joined the Congress under the 10th Schedule of the Constitution. A bench headed by Chief Justice B R Gavai told the Telangana Assembly Speaker that the MLAs facing disqualification petitions should not be allowed to prolong the proceedings. It also said that if they do so, the Speaker can draw adverse inferences against them. Not only this, the apex court condemned the delay in deciding the disqualification petitions by the Speakers of various State Assemblies for years. The bench said that the single bench of the High Court had only asked the chairman to schedule the hearing within a period of 4 weeks. Delivering the verdict on behalf of the bench, the Chief Justice said, the single judge had not issued any direction to decide the disqualification petitions... The division bench of the High Court has

committed a mistake by interfering with the order of a single judge of the High Court. The bench said that the Chairman, while acting as a judicial authority under the 10th Schedule of the Constitution, does not enjoy constitutional immunity under Article 122 or 212 of the Constitution. The Chief Justice said, the present appeals are accepted. The impugned judgment and final order dated November 22, 2024 passed by the division bench of the High Court are set aside. We direct the Speaker to conclude the pending disqualification proceedings against the 10 MLAs relating to the present appeal as expeditiously as possible, and in any case within a period of 3 months from the date of this judgment. The Chief Justice said that the Speaker will not allow any MLA seeking disqualification to prolong the proceedings and if any MLA tries to prolong the proceedings, the Speaker will draw adverse inferences against such MLAs. The apex court also said that Parliament should review the present system of disqualification of MLAs under the anti-defection law as Speakers routinely cause inordinate delay in such proceedings, resulting in failure of action against defectors. The bench stressed that this is a threat to democracy. The detailed decision in this case will be uploaded later in the day today. The apex court's decision came on petitions raising the issue of alleged delay by the Telangana Assembly Speaker in deciding petitions seeking disqualification of 10 BRS MLAs who had joined the Congress. The petitioners have sought timely action by the Telangana Assembly Speaker on the pending disqualification proceedings against the 10 MLAs who joined the Congress. A petition filed in the Supreme Court challenges the November 2024 decision of the Telangana High Court relating to petitions seeking disqualification of three BRS MLAs who joined the ruling Congress party. The second petition before the apex court relates to the remaining 7 MLAs who had defected. In November last year, a division bench of the Telangana High Court had said that the Assembly Speaker must decide the disqualification petition against the three MLAs within a reasonable time. The division bench's decision came on an appeal against a single judge's order dated September 9, 2024, directing the secretary of the Telangana Legislative Assembly to present the petition seeking disqualification before the Speaker to schedule a hearing within 4 weeks.

After 30 years Manoj Tiwari will carry Kanwar, will travel on foot from Bihar to Baidyanath temple in Jharkhand

New Delhi, BJP MP Manoj Tiwari will undertake a Kanwar Yatra from Bihar to Baidyanath temple in Jharkhand. North East Delhi MP Manoj Tiwari will undertake a Kanwar Yatra on foot on Thursday from Sultanganj in Bihar to Baba Baidyanath temple in Deoghar, Jharkhand, more than 100 kilometers long. Starting from today, his journey will end on August 3. Tiwari, who became a Lok Sabha MP for the third time, said, after 30 years, I will again do the Kanwar Yatra of Babadham. He further said that he will pray to Lord Shiva to bless everyone including the people of Delhi and Bihar. Let us tell you, Manoj Tiwari is an important

part of Delhi BJP and a prominent Purvanchal face of the party. Tiwari will be the first leader to go on the Kanwar Yatra as a leader. Earlier, CM Rekha Gupta had made strong arrangements for the Kanwariyas in the capital Delhi. More than 200 Kanwar camps were set up all over Delhi. CM Rekha had clearly announced that any kind of negligence or laxity in the arrangements made for the devotees going on the Kanwar Yatra will not be tolerated. The Kanwar Yatra started on 11 July 2025 during the holy period of Sawan month and this Shivaratri on 23 July, all the Shiva devotees completed their journey by offering water to Bhole Nath.

Owaisi got angry on the acquittal of Malegaon blast accused, targeted the government

Said- Terrorism accused made MP

New Delhi, All India Majlis Ittehadul Muslimeen chief Asaduddin Owaisi on Thursday expressed disappointment over the acquittal of all the accused in the 2008 Malegaon blast case. He termed it as the result of deliberately poor investigation and prosecution. The All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen chief wrote on Twitter: "The Malegaon blast case verdict is disappointing. Six Namazis were killed and nearly 100 injured in the blast. They were targeted because of their religion. Deliberately shoddy investigation/prosecution is responsible for the acquittal of the accused." Asaduddin Owaisi said, 17 years after the blast, the court acquitted all the accused due to lack of evidence. Will

the Modi and Fadnavis governments appeal against this decision in the same way as they demanded a stay on the decision to acquit the accused in the Mumbai train blasts? Will the secular political parties of Maharashtra demand accountability? Who killed those 6 people? The Hyderabad MP further said, remember in 2016, the then prosecutor of the case, Rohini Salian, had publicly said that the NIA had asked her to take a soft stand towards the accused. Remember, in 2017, the NIA tried to get Sadhvi Pragya acquitted. The same person became a BJP MP in 2019. Karkare had exposed the conspiracy in Malegaon and unfortunately was killed by Pakistani terrorists in the 26/11 attacks. The BJP MP had publicly said that he had cursed him and his death was the result of that curse. Will the NIA/ATS officers be held accountable for their flawed investigation? I think we know the answer. This is the Modi government which is tough on terrorism. The world will remember that it made a terror accused an MP. Let us tell you that on Thursday, the NIA court acquitted all the accused in the 2008 Malegaon bomb blast case due to lack of evidence. The court said in its decision that the prosecution proved that there was a blast in Malegaon, but could not prove it.

Sadhvi Pragya told the judge in the court- I was harassed and saffron was defamed

Mumbai, In the serial bomb blasts in Malegaon, Maharashtra, the special court of National Investigation Agency (NIA) has acquitted 7 accused including former BJP MP Sadhvi Pragya Thakur due to lack of evidence. During the hearing in the court, Sadhvi Pragya cried in front of Judge Abhay Lohati and could not stop expressing her emotional pain. She said that she was arrested and tortured, due to which her whole life was ruined. Holding back her tears, Sadhvi Pragya said that she had to endure humiliation for years and had to struggle again and again, and despite being innocent, she was accused of crime.

She further said that today is the victory of the saffron flag, the victory of Hindutva. The false narrative of 'saffron terrorism' has also finally been proven false. She also raised questions on the accused being repeatedly called for questioning and being tortured. Sadhvi Pragya said, I had said from the beginning that there should be some basis behind calling for investigation. I was called for investigation and arrested and tortured. This ruined my whole life. Allegations were made against me and no one stood with us. I am alive because I am a sanyasi. They defamed saffron by conspiring. God will punish the culprits. However, you did not prove wrong those who defamed India and saffron. Pragya Thakur was accused of being involved in the conspiracy of Malegaon bomb blasts. According to the charge sheet filed in the case, she had attended the meetings to plan the blast and had taken the responsibility of finding the person who would carry out the attack. The motorcycle in which the blast took place was also registered in the name of Pragya Thakur. A case was going on against her under the Unlawful Activities Prevention Act. On 29 September 2008, an explosive device was attached to a motorcycle and detonated outside a mosque in Malegaon, around 200 km from Mumbai. 6 people died in the blast. The case was first investigated by the Maharashtra Anti-Terrorism Squad (ATS), which was handed over to the NIA in 2011. Pragya got bail in 2017. The court has acquitted Pragya, Lt. Col. Prasad Purohit, Abhinav Bharat Sanstha's Sudhakar Chaturvedi, Sameer Kulkarni, Ramesh Upadhyay, Ajay Rahirkar, Sudhakardhar Dwivedi.

Vijay Sethupathi broke his silence on the allegations of sexual harassment, said- that woman wants fame

Chennai, South Indian cinema's well-known actor Vijay Sethupathi is often in the news for some reason or the other. For the last few days, he has been in the headlines due to allegations of sexual abuse. Recently, a woman accused Vijay of sexual abuse on social media. Now Vijay has given his reaction on this matter for the first time. He said that such allegations do not matter to him. Vijay has denied the allegations against him. The actor said that his team has complained to the cyber crime officials in this matter. Vijay said, anyone who knows me even a little will find this ridiculous. I know who I am. Such disgusting allegations do not bother me, but my family and close friends are worried. I tell them that there is no need to worry. Vijay further said, this woman wants attention. She just wants a few minutes of fame. Let her get fame. We have complained about this matter to cyber crime. I have been facing constant whispers for the last 7 years. It has not affected me and it will never affect me. Let us tell you that a woman named Ramya Mohan had accused Vijay of sexual exploitation through her ex accoun

Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav met Prime Minister Narendra Modi at Parliament House

New Delhi, Madhya Pradesh Chief Minister Mohan Yadav met Prime Minister Narendra Modi at Parliament House.

Uproar in Parliament over America's 25 percent tariff is certain, Congress proposes debate

New Delhi,. After US President Donald Trump imposed 25 percent tariff on India, the opposition has got another chance to corner Prime Minister Narendra Modi. The opposition is already demanding clarification from the Center on Trump's repeated ceasefire announcements during Operation Sindoor, so it got another chance when the tariff issue came up. Congress has demanded a debate in Parliament by presenting an adjournment motion on Thursday. After the US announced tariffs, Congress had targeted Prime Minister Modi. The party wrote on X, Trump imposed a 25 percent tariff on India and also imposed a penalty. The country is suffering the consequences of Narendra

Modi's friendship. Modi campaigned for Trump. He hugged him enthusiastically. He got his photo clicked and made it trend on social media. Finally, Trump imposed tariffs on India. India's foreign policy has completely failed. "President Trump has imposed 25% tariffs and penalties on imports from India. All the praise between him and 'Howdy Modi' has become meaningless. Modiji thought that if he remained silent on the insults hurled at India by the US President, India would get special treatment from President Trump. Obviously, that has not happened," Jairam Ramesh, Congress general secretary (communications), wrote on X.

Somnath Suryavanshi death: Supreme Court upheld the High Court order to register FIR

Chhatrapati Sambhajinagar, The Supreme Court upheld the Bombay High Court's order to register an FIR in the custodial death case of Somnath Suryavanshi. VBA President Prakash Ambedkar gave this information. Prakash Ambedkar, a prominent Dalit leader and grandson of Dr. B.R. Ambedkar, appeared in the Supreme Court in the case on behalf of Suryavanshi's mother along with two other lawyers. Suryavanshi, a 35-year-old law student, died in judicial custody in Parbhani on 15 December 2024. He was arrested in connection with violent protests that broke out in this central Maharashtra town after a rioter damaged a replica of the Constitution.

Dalit activists alleged that Suryavanshi was tortured in police custody. His mother moved the Aurangabad bench of the high court seeking action against the police officers. Prakash Ambedkar said, "The Supreme Court has upheld the High Court's decision. It will be important to see whether the court now initiates contempt of court proceedings or not. On July 4, the High Court had ordered the police to file an FIR within a week, but the FIR has not been filed yet. We brought this to the notice of the Supreme Court and it also asked why the FIR was not registered."

He claimed that doctors at Mumbai's government JJ Hospital gave their second opinion in the case without considering all the facts. He said, "We are going to make the doctors accused in this case, because second opinion should not be given without a court order."

Malegaon bomb blast: All 7 accused including Sadhvi Pragya acquitted, court said - not enough evidence

Mumbai, After 17 years, the special court of National Investigation Agency (NIA) has given its verdict in the case of bomb blasts in Malegaon, Maharashtra. The court has acquitted all the 7 accused including former BJP MP Pragya Thakur and Colonel Prasad Purohit. The reason cited behind this is lack of evidence. Let us tell you that these blasts took place in Malegaon on 29 September 2008, in which 6 people were killed. The court said, there is a lot of difference between the chargesheets of ATS and NIA. The prosecution has failed to prove that the

bomb was in the motorcycle. There is no evidence that Prasad Purohit had made the bomb. It could not be proved who had planted the bomb. The evidence has been tampered with. The investigating agencies have failed to prove that the bike belongs to Sadhvi Pragya. The prosecution has failed to find the chassis number of the bike. Former BJP MP from Bhopal Sadhvi Pragya Thakur was the main accused in the case. Apart from her, Lieutenant Colonel Prasad Purohit, Sudhakar Chaturvedi and Sameer Kulkarni associated with Abhinav Bharat Sanstha, Pune residents Ramesh Upadhyay and Ajay Rahirkar and Sudhakardhar Dwivedi were also accused. All of them were accused of plotting a terrorist conspiracy, murder and spreading religious frenzy. During the investigation, NIA and ATS had arrested about a dozen people. Pragya Thakur was accused of being involved in the conspiracy of Malegaon bomb blasts. According to the charge sheet filed in the case, she had attended the meetings to plan the blast and had taken the responsibility of finding the person who would carry out the attack. The motorcycle in which the blast took place was also registered in the name of Pragya Thakur. A case was going on against her under the Unlawful Activities Prevention Act. October 2008: Maharashtra ATS begins investigation, several people including Sadhvi Pragya and Col Purohit arrested. 2011: Investigation handed over to NIA. 2016: NIA files fresh chargesheet against Sadhvi Pragya and 6 others by dropping MCOCA, citing lack of evidence. 2017: Col Purohit and Sadhvi Pragya get bail. 2018: NIA court frames charges. 2025: Arguments complete in April. During this period, several witnesses turn hostile. On September 29, 2008, an explosive device attached to a motorcycle was used to detonate outside a mosque in Malegaon town, around 200 km from Mumbai in northern Maharashtra. Around 6 people were killed in the blast. The case was initially investigated by the Maharashtra Anti-Terrorism Squad (ATS), which was later transferred to the NIA in 2011.